देशबन्धु

वर्ष –11 I अंक–55 I सागर, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

किराए की स्कार्पियो से लूट करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार पृष्ठ 2

- हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अंगीकार कर मैं बहुत प्रसन्न हूं : डॉ अम्बेडकर
- क्या चंबल से कुछ सीखेगी दुनिया? पृष्ठ 4

- सड़क निर्माण में खेल या खुली लापरवाही, पीडब्ल्यूडी पर गंभीर आरोप पृष्ठ 6

ग्रामीणों ने लहरों पर सजाई चिताएं, बोले हमें न्याय दो या फिर दे दो मौत पृष्ठ 7

नोएडा में 3 सौ फैक्ट्रियों में तोड़फोड़

वेतन विवाद में भड़की हिंसा, 22 वाहन फूंके

- हिंसा में करीब 600 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान
- 3 दिनों से वेतन वृद्धि की मांग को लेकर धरने पर थे कर्मचारी

नोएडा, एजेंसी। सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर नोएडा के औद्योगिक इलाकों में सोमवार को श्रमिकों का प्रदर्शन अचानक हिंसक हो गया।

बेकाबू भीड़ ने फेज-2 और फेज-3 के इंडस्ट्रियल एरिया में जमकर उत्पात मचाया। 300 से ज्यादा फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की गई, जबकि 22 वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। 100 से अधिक वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया है। शुरुआती आकलन के मुताबिक, इस हिंसा में करीब 600 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। प्रदर्शन की शुरुआत फेज-2 स्थित इंडस्ट्रियल एरिया से हुई, जहां मदरसन समेत कई कंपनियों के करीब 1000 कर्मचारी पिछले तीन दिनों से वेतन वृद्धि की मांग को लेकर धरने पर थे। सोमवार को करीब 500 कर्मचारी मदरसन कंपनी के बाहर इकट्ठा हुए और देखते ही देखते माहौल हिंसक हो गया। भीड़ ने पुलिस वाहनों में आग लगा दी और जमकर पथराव किया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। हिंसा की आग जल्द ही फेज-3 तक फैल गई। सेक्टर-57, 58, 59, 60, 63, 64, 65, 66 और 67 में छोटे-छोटे समूहों में बंटे श्रमिकों ने 150 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। सेक्टर-63 में विपुल मोटर्स के बाहर खड़ी कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। खास बात यह रही कि पूरे प्रदर्शन का कोई स्पष्ट नेता या चेहरा सामने नहीं आया, जिससे हालात और ज्यादा बेकाबू हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आरएएफ, पीएसी समेत करीब 5 हजार पुलिसकर्मियों और अन्य जिलों की फोर्स को तैनात किया गया। सेक्टर-6 में कंट्रोल रूम बनाकर पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए योगी सरकार ने उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर दी है। औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली इस समिति में एमएसएमई, श्रम विभाग और श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। सरकार ने समिति को जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल पूरे औद्योगिक क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

महिलाओं को आरक्षण 21वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण देने से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए लाये जाने वाले संशोधन विधेयक को 21 वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय करार देते हुए कहा कि यह पूरी तरह से नारी शक्ति को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि देश की संसद एक नया इतिहास रचने के निकट है जो अतीत की परिकल्पना और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। श्री मोदी ने गुरुवार को संसद में लाए जाने वाले इस संशोधन विधेयक से पहले सोमवार को यहां विज्ञान भवन में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक लेने जा रहा है, एक ऐसा निर्णय जो नारी शक्ति को समर्पित है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'राज्य विधानसभाओं से लेकर देश की संसद तक, दशकों की प्रतीक्षा अब समाप्त होने वाली है।

'प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में नए संसद भवन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सर्वसम्मति से पारित किया गया था और सभी दलों ने इस बात पर सहमति जताई थी कि इसे हर हाल में 2029 तक क्रियान्वित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को समय पर लागू किया जाना चाहिए ताकि महिलाओं की भागीदारी से लोकतंत्र सुदृढ़ हो।

सोनिया ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक निजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे को लेकर हमला बोला है। श्रीमती गांधी ने सोमवार को यहां स्पष्ट तौर पर कहा कि मौजूदा समय में असली चिंता महिला आरक्षण नहीं, बल्कि प्रस्तावित परिसीमन है, जिसे उन्होंने 'बेहद खतरनाक' और 'संविधान पर हमला' करार दिया। अपने लेख में उन्होंने चेतावनी दी कि संसद के विशेष सत्र में जिस तरह परिसीमन का मुद्दा सामने आ रहा है, वह लोकतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जल्दबाजी में इस विषय को आगे बढ़ा रही है।

मंत्रिमंडल के फैसले: सागर में 286 करोड़ की सिंचाई परियोजना

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में 6 नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्री परिषद की बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसमें विकास कार्यों के साथ ही सिंचाई, महिला बाल विकास और लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रस्ताव शामिल हैं। नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए 1674 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्रिपरिषद द्वारा लोक निर्माण के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के लिए 10,801 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई। वहीं प्रधानमंत्री पोषण शक्ति और मध्याह्न भोजन सहित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए 3,553 करोड़ 35 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। जबकि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर एवं महिला हेल्पलाइन-181 के संचालन के लिए 240 करोड़ 42 लाख स्वीकृत किए गए हैं। मंत्रिमंडल ने सागर जिले के लिए 286.26 करोड़ रुपए की 'मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना' को स्वीकृति दी। इस परियोजना से लगभग 7200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, लोक निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं को निरंतर जारी रखने 10,801 करोड़ रुपए मंजूर किए गए है।

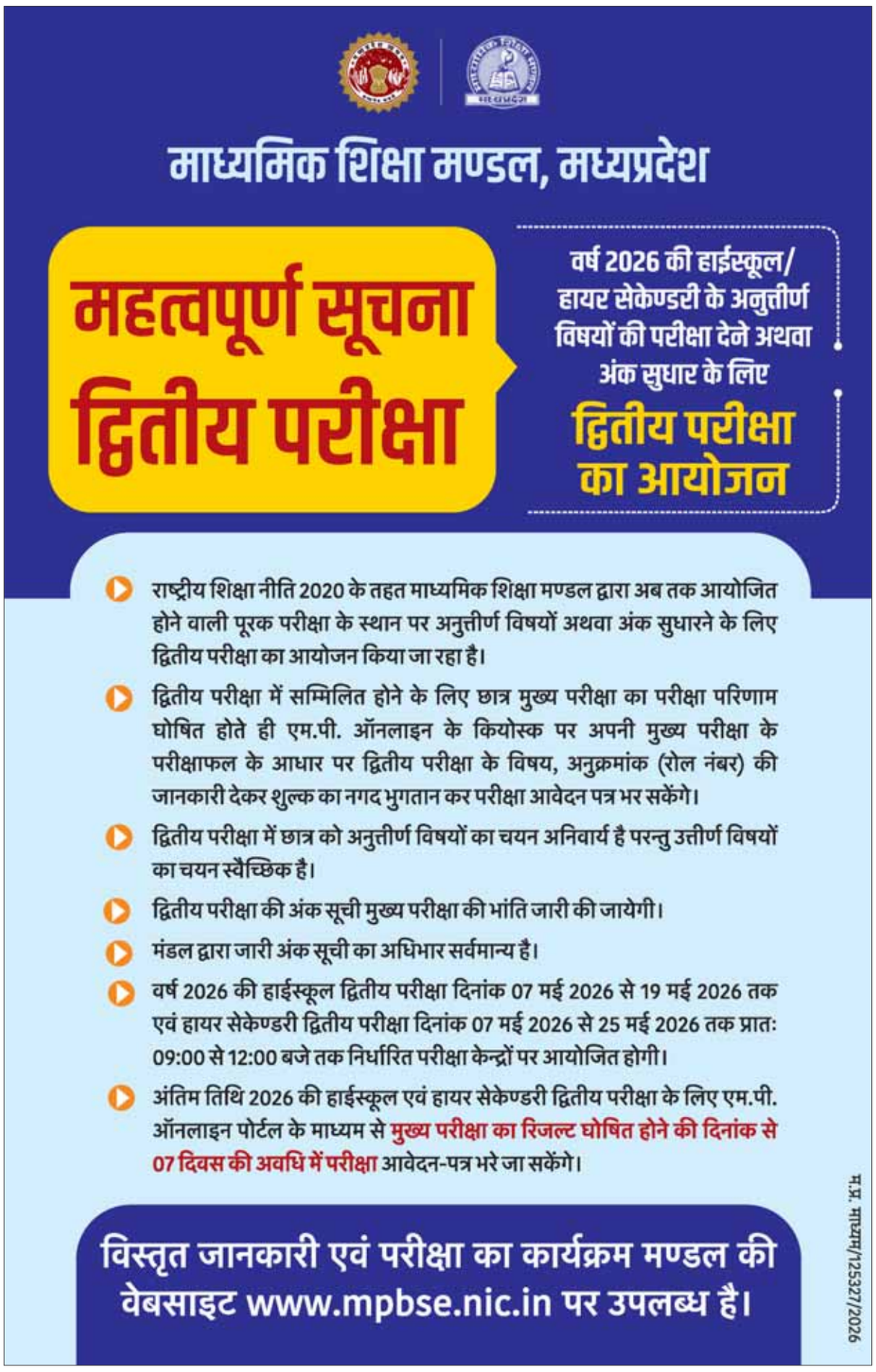

किराये की स्कॉर्पियो से लूट करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

लगुन समारोह में वीडियोग्राफी कर लौट रहे फोटोग्राफर से की थी लूट, कैमरे, कैश और कार बरामद

सागर, देशबन्धु। गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र में फोटोग्राफर से लूट की वारदात करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने किराए की स्कॉर्पियो लेकर वारदात को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुये लूट में गए कैमरे और नकद समेत अन्य सामान बरामद किया है, स्कॉर्पियो जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार 10 अप्रैल को फरियादी सोनू पिता राजाराम लोधी 26 वर्ष निवासी संजरा ने थाने में आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि वह 9 अप्रैल की रात अपने साथी चंदन रजक के साथ लगुन कार्यक्रम में वीडियोग्राफी करके वापस घर लौट रहा था। तभी राजस्थान ढाबा के आगे एक काले रंग की कार में सवार बदमाशों ने रोका। उन्होंने धमकाते हुये वीडियो कैमरा, फोटो कैमरा, मोबाइल, नकद छीन लिये और फरार हो गये। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चनाटोरिया के पास काले रंग

की स्कॉर्पियो में कुछ संदिग्ध लोग बैठे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, पुलिस आते देख आरोपी भागने लगे। जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम धर्मेन्द्र पिता विश्वनाथ यादव 20 वर्ष निवासी लहेदरा, अभिषेक पिता लखन सिंह ठाकुर 20 वर्ष, तुलसीराम पिता रामस्वरूप अहिरवार 20 वर्ष, सूरज पिता श्याम पटेल 20 वर्ष सभी निवासी बम्होरी रेगुवां और रामाधर पिता राजेन्द्र सींग यादव 19 वर्ष निवासी मरदनपुर राहतगढ़ का होना बताया। कार की तलाशी लेने पर एक बैग मिला। जिसमें वीडियो कैमरा, एक फोटो कैमरा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों के पास से एक चाकू, 6 मोबाइल, 3360 रुपये नकद, फरियादी का लूटा हुआ पर्स व मोबाइल जब्त किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस थाने लेकर आई। थाने में पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 9 अप्रैल की रात वे लेहदरा नाका पर इकट्ठा हुये थे, किराये पर स्कार्पियो ली। उसमें सभी बैठकर घूमने के लिये दमोह की ओर निकले। दमोह तरफ से वापस आते समय रास्ते में बाइक सवार युवक को रोककर चाकू डंडा दिखाकर लूट की थी। लूटे गये रुपयों से शराब पीकर खाना खा लिया था। कार में पेट्रोल भी डलवाया था। एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि वीडियोग्राफर से लूट करने के मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूट का सामान बरामद किया गया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

साइबर सेल ने त्वरित कार्यवाही कर करोड़ों की ठगी पर कसा शिकंजा

सागर, देशबन्धु। पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के कार्यवाही करते हुये सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2026 में अब तक नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 597 शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुये पुलिस ने लगभग 2 करोड़ की ठगी गई राशि होल्ड, सीज कर अपराधियों पर शिकंजा कस दिया है। इसी क्रम में सागर पुलिस की सक्रियता एवं तत्परता से लगभग 20 लाख की राशि पीड़ितों को वापस दिलाई जा चुकी है। शेष राशि की वापसी हेतु विधिक कार्यवाही सतत जारी है।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा साइबर फ्रॉड एवं ऑनलाइन ठगी से संबंधित शिकायतों पर तत्काल एवं प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। साइबर सेल सागर की टीम द्वारा जिसमें प्रआर सौरभ रैकवार, आरक्षक हेमेन्द्र सिंह एवं आरक्षक कुलदीप ठाकुर शामिल हैं, शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुये ठगी गई राशि को होल्ड, रिफ्रंड कराने का कार्य लगातार किया जा रहा है, जिले के प्रत्येक थाने में समय-समय पर साइबर अपराधों से संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे पुलिस बल को अद्यतन तकनीकी जानकारी प्राप्त हो रही है।

मंदिर में चोरी करते आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। थाना मोतीनगर पुलिस ने मंदिर में चोरी की कोशिश करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। 13 अप्रैल को सुबह करीब 4 बजे बाधराज हरसिद्धी देवी मंदिर पंडापुरा में एक अज्ञात युवक मंदिर के गेट एवं दान पेटी का ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास कर रहा था। मंदिर के पुजारी पुष्पेन्द्र उर्फ प्रेमप्रकाश पाठक एवं गश्त कर रहे उप निरीक्षक गोकुल प्रसाद पाण्डेय ने साहस का परिचय देते हुये आरोपी को मौके पर ही घेराबंदी कर पकड़ लिया तथा पुलिस को सूचना दी। आरोपी से बिट्टू उर्फ राजेश रैकवार 20 वर्ष निवासी वार्ड 11 रहली को 410 रुपये नगद, पीतल की एक घंटी, वारदात में प्रयुक्त लोहे की रॉड को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड होना पाया गया है, जिसमें चोरी से संबंधित अपराध दर्ज रहे हैं। आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है, जिससे अन्य चोरी की घटनाओं में उसकी संलिप्तता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में सहा. उप निरीक्षक गोकल प्रसाद पांडेय एवं उनकी टीम की भूमिका रही।

अवैध शराब का जखीरा पकड़, आरोपी को किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। थाना सुरखी पुलिस को 13 अप्रैल को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर सुरखी पुलिस टीम ने सरकारी कॉलेज के समीप रोबिन्स नाथन के घर के बाजू में स्थित एक लोहे के स्टोर रूम पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस ने वहां से 72 लीटर अवैध देशी मदिरा मसाला 8 खाकी कार्टूनों में बरामद की। जब्त की गई शराब की कुल कीमत लगभग 40,000 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से आरोपी रोबिनन नाथन उर्फ हनी पिता राबर्ट नाथ्र निवासी ढाना को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से अवैध खेप जब्त की है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी से शराब के मुख्य स्त्रोतों और इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य नेटवर्क के बारे में कड़ाई से पूछताछ कर रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी दीपांशु, मनीषा तिवारी, सत्यव्रत धाकड़, गनगौर प्रसाद, कमलेश, कामेश, ओमकार और प्रेमचंद्र की भूमिका रही।

आईएमए का केंद्रीय जेल में टीबी मुक्त भारत अभियान कैदियों के लिये लगा विशेष स्वास्थ्य शिविर

सागर, देशबन्धु। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सागर शाखा और स्वास्थ्य विभाग सागर के संयुक्त तत्वावधान में सागर की केंद्रीय कारागार में एक महत्वपूर्ण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में टीबी के संक्रमण, लक्षणों, जांच तथा उपलब्ध मुफ्त

उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में चिकित्सकों, जेल कर्मियों और जेल प्रशासन की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिससे जेल के अंदर रहने वाले कैदियों और स्टाफ दोनों में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। शुरुआत में केंद्रीय जेल के उप अधीक्षक ने स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का स्वागत किया। उन्होंने इस तरह की पहल की सराहना करते हुये कहा कि जेल जैसी बंद जगहों में संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने के लिये जागरूकता और समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। आईएमए सागर के अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये टीबी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीबी मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकलने वाले बैक्टीरिया के माध्यम से हवा द्वारा दूसरे व्यक्ति में फैलती है। यह रोग सबसे अधिक फेफड़ों को प्रभावित करता है, लेकिन यह शरीर के अन्य अंगों जैसे आंख, रीढ़ की हड्डी, मस्तिष्क, आंत और गर्भाशय को भी प्रभावित कर सकता है। डॉ. साद ने कहा कि टीबी का समय पर पता लगाना और पूर्ण उपचार करवाना अत्यंत जरूरी है, अन्यथा यह गंभीर जटिलतायें पैदा कर सकता है। टीबी के प्रमुख लक्षणों पर भी प्रकाश डाला। डॉक्टरों ने सलाह दी कि कोई भी लक्षण दो सप्ताह से अधिक बने रहें तो तुरंत जेल चिकित्सक से जांच करवायें। केंद्रीय जेल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके शाक्य ने लेटेंट टीबी छिपी हुई टीबी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कई मामलों में टीबी के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते, जिसे लेटेंट टीबी कहा जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति संक्रमित होता है लेकिन बीमारी सक्रिय रूप नहीं लेती। इसकी पहचान के लिये जांच सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क उपलब्ध है। यदि जांच पॉजिटिव आती है तो 12 सप्ताह में कुल 12 खुराक सप्ताह में एक का उपचार दिया जाता है, जिससे अगले 18 वर्षों तक सक्रिय टीबी विकसित होने की संभावना लगभग 80 प्रतिशत तक कम हो जाती है। यह जांच और उपचार जेल जैसे भीड़भाड़ वाले वातावरण में टीबी के प्रसार को नियंत्रित करने में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। डॉ. जितेंद्र सराफ ने सरकार की राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि उपचार की अवधि सामान्यत: 6 महीने होती है और इसे नियमित रूप से पूरा करना बहुत महत्वपूर्ण है। अधूरा उपचार न सिर्फ रोगी को खतरे में डालता है बल्कि दवा प्रतिरोधी टीबी पैदा कर सकता है, जो उपचार के लिये अधिक चुनौतीपूर्ण होती है। कार्यक्रम के दौरान जेल कर्मियों और कैदियों को टीबी से बचाव के उपायों जैसे साफ सफाई, अच्छा वेंटिलेशन, पौष्टिक आहार और खांसी छींक के समय मुंह ढकने की सलाह दी गई।

पूर्व मंत्री की पहल पर खुरई शास. महाविद्यालय में 5 नये पाठ्यक्रम प्रारंभ

सागर, देशबन्धु। पूर्व मंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह की पहल पर शास. महाविद्यालय खुरई में 5 नये पोस्ट ग्रेजुएशन पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की है। प्रारंभ किये जा रहे दो वर्षीय पाठ्यक्रमों में वनस्पतिशास्त्र, रसायनशास्त्र, भौतिक शास्त्र, प्राणी शास्त्र में एमएससी तथा अंग्रेजी साहित्य में एमए पाठ्यक्रम शामिल हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अति. क्षेत्रीय संचालक डॉ. नीरज दुबे द्वारा पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह को प्रेषित किये गये पत्र में जानकारी दी कि शास. महाविद्यालय खुरई में उक्त नवीन पाठ्यक्रमों को आगामी सत्र 2026-27 से स्ववित्तीय मद के अंतर्गत संचालित करने हेतु आपके पत्र अनुसार कार्यवाही की गई है। इन सभी 5 पीजी पाठ्यक्रमों को जनभागीदारी समिति की अनुमति व स्व वित्तीय मद से प्रारंभ किया जायेगा। इस बाबत् उच्च शिक्षा संचालनालय भोपाल की अकादमिक शाखा के आयुक्त कार्यालय तथा रानी अवंतीबाई लोधी विवि की अकादमिक शाखा कुलसचिव को इसकी संबद्धता हेतु पत्र लिखा गया है। विवि में संबद्धता शुल्क जमा करने व अन्य आवश्यक कार्यवाही उपरांत आगामी सत्र से उपरोक्त सभी पाठ्यक्रम शासकीय महाविद्यालय खुरई में प्रारंभ हो जायेंगे।

कांग्रेसजनों ने डॉ. अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर संविधान की रक्षा करने की शपथ ली

सागर, देशबन्धु। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर कांग्रेस अनु. जाति विभाग शहर सागर के तत्वाधान में कांग्रेसजनों ने पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी के मुख्य आतिथ्य में भगवानगंज स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण करते हुये भारतीय संविधान की रक्षा करने की शपथ ली तथा देश के प्रति डॉ. अम्बेडकर के योगदान और संविधान पर संक्षिप्त वृतांत रेखांकित कर उनके द्वारा बनाये संविधान और उनके सिद्वांतों का अनुसरण करने का संकल्प लिया। पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी ने डॉ. अम्बेडकर के विचारों और संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुये सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में भारतीय संविधान की मूल भावना, समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे को चुनौती दी जा रही है, ऐसे समय में हम सभी भारतीय संविधान की रक्षा का संकल्प लें। इस दौरान राकेश राय, रमाकांत यादव, विजय साहू, सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, रवि उमाहिया, देवेंद्र कुर्मी, शरद राजा सेन, पुरुषोत्तम शिल्पी, भैयन पटैल, रवि सोनी आदि मौजूद थे।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, 2 युवकों के पैरों में प्रैक्चर

खुरई, देशबन्धु। सागर नेशनल हाईवे पर बनहट गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों युवक बुरी तरह जख्मी हो गये हैं, जिन्हें इलाज के लिये सागर भेजा गया है। सागर के कजलीवन मैदान में रहने वाले जितेंद्र पटेल 31 और संदीप पटेल 30 बाइक से खुरई की तरफ जा रहे थे। तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार और बाइक दोनों बुरी तरह टूट गये। हादसे में दोनों युवकों के पैरों में प्रैक्चर हुआ है और शरीर के बाकी हिस्सों में भी गहरी चोटें आई हैं। घायल जितेंद्र पटेल ने बताया कि उनकी सास कुछ दिन पहले सीढ़ियों से गिर गई थी, उन्हें ही देखने के लिए दोनों सागर से बीना जा रहे थे, रास्ते में ही यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को खुरई के सिविल अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुये उन्हें बीएमसी रेफर कर दिया। दोनों का इलाज जारी है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को बनायेगा नीति निर्माण का भागीदार: लता वानखेड़े

सागर, देशबन्धु। नारी शक्ति वंदन अधिनियम स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय साबित होगा, जो महिलाओं को याचक से नायक की भूमिका में स्थापित करेगा। यह बात सांसद लता वानखेड़े ने संभागीय भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। इस दौरान छतरपुर विधायक ललिता यादव भी मौजूद रहीं। डॉ. वानखेड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह कानून महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें नीति निर्धारण और नेतृत्व की मुख्यधारा में लायेगा। उन्होंने इसे केवल एक कानून नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उनके अनुसार दशकों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार हुआ है और यह देश की आधी आबादी को सशक्त बनायेगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुये कहा कि पार्टी ने वर्षों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति की, लेकिन इसे लागू करने की ठोस पहल नहीं की। वहीं अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय इस दिशा में प्रयास हुये थे, लेकिन विपक्ष के विरोध के कारण बिल पास नहीं हो सका। डॉ. वानखेड़े ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लायेगा और उन्हें अपने तथा देश के भविष्य का निर्णय लेने की शक्ति देगा। उन्होंने बताया कि 2023 में संसद द्वारा पारित इस कानून को लागू करने के लिये आगामी समय में विशेष सत्र आयोजित किया गया है। वहीं विधायक ललिता यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। महिला आरक्षण लागू होने के बाद महिलायें अधिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ देश के विकास में योगदान देंगी। ललिता यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुये कहा कि उसने दशकों तक महिला आरक्षण को केवल चुनावी मुद्दा बनाकर रखा। भाजपा सरकार पहले से ही मप्र में नगरीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दे रही है, जिससे महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुये बताया कि उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और मुद्रा योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। पत्रकार वार्ता से पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने लता वानखेड़े एवं ललिता यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नरयावली में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर विधायक ने ली समन्वय बैठक

नरयावली, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगामी 18 अप्रैल को प्रस्तावित नरयावली प्रवास को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देने और कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के उद्देश्य से विधायक प्रदीप लारिया ने सांदीपनि विद्यालय में समन्वय बैठक आहूत की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने शिरकत की। बैठक को संबोधित करते हुये विधायक लारिया ने कहा कि मुख्यमंत्री का आगमन क्षेत्र के विकास और जन संवाद की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाये। कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुये आह्वान किया कि वे जनता और शासन के बीच सेतु का कार्य करें, ताकि अधिक से अधिक नागरिक मुख्यमंत्री के विचारों को सुन सकें। बैठक के दौरान कार्य विभाजन पर विशेष जोर दिया गया। जहां एक ओर प्रशासनिक अधिकारियों को मंच व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, हेलीपैड और विभागीय प्रदर्शनी हेतु आवश्यक निर्देश दिये, वही पार्टी पदाधिकारियों को बूथ स्तर पर जनसंपर्क और स्वागत द्वार जैसी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई।

मासूम की विदाई ने जगाई मानवता की लौ: शोक संतप्त परिवार ने समाज के लिये पेश की देहदान की मिसाल

सागर, देशबन्धु। दुख की घड़ी में धैर्य और समाज के प्रति जिम्मेदारी का एक ऐसा उदाहरण सामने आया है, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दी। तिली निवासी कलूसेठ रमेश चौरसिया परिवार की बहु नाबिता किरण चौरसिया मोना और बेटे मिथलेश अनीता चौरसिया के घर 29 मार्च को जन्मे नवजात शिशु का हृदय संबंधी समस्या के कारण असमय निधन हो गया। इस अपार दुख के बीच भी परिवार ने साहस दिखाते हुये गवेषणा एनजीओ के सुझाव पर अपने जिगर के टुकड़े की देह को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज को दान करने का निर्णय लिया। परिवार का कहना है कि हमने अपना बच्चा खोया है, लेकिन उसकी देह पर मेडिकल छात्र रिसर्च कर सकेंगे और भविष्य के डॉक्टर कुछ नया सीखकर किसी अन्य परिवार को ऐसा दिन देखने से बचा सकेंगे। संस्था गवेषणा इस पुनीत कार्य में परिवार के साथ खड़ी रही। अध्यक्ष मनोहर लाल चौरसिया ने कहा कि इस तरह की समझदारी ही चिकित्सा विज्ञान के विकास और मानवता की रक्षा का आधार है। गवेषणा परिवार के इस महान त्याग को नमन करती है। संस्था लगातार प्रयासरत है कि बीएमसी में जल्द से जल्द अंग और ऊतक प्रत्यारोपण की सुविधायें पूर्ण रूप से विकसित हों, ताकि दान किये गये अंगों से दूसरों को नया जीवन मिल सके। यहां तक संस्था ने सुप्रीम कोर्ट में अंगदान को सरल बनाने हेतु एक जनहित याचिका 00057/24 भी लगाई हुई है, जिस पर कार्यवाही जारी है। संस्था के सचिव रमेश चौरसिया ने बताया कि स्थानीय लोगों के बीच देहदान और अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ी है साथ ही बीएमसी के एनाटॉमी विभाग के विभागाध्यक्ष समेत सभी सदस्यों के प्रति उनके सहयोग के लिये गवेषणा एनजीओ ने आभार व्यक्त किया है।

आज केन्द्रीय जेल में निरुद्ध 9 बंदियों को किया जायेगा रिहा

सागर, देशबन्धु। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर राज्य शासन द्वारा केन्द्रीय जेल सागर से आजीवन कारावास के दंडित 8 पुरुष, 1 महिला बंदी सहित कुल 9 बंदियों को रिहा किया जायेगा। रिहा किये जा रहे बंदियों को जेल में निरूद्ध रहने के दौरान टेलरिंग, कारपेन्टरी, लौहारी, भवन निर्माण मिस्त्री, प्रिंटिंग प्रेस, हथकरघा, बुनाई उद्योग आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है ताकि वह समाज पुनर्वासित होकर आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत कर सके। पूर्व में गणतंत्र दिवस, अम्बेडकर जयंती, स्वतंत्रता दिवस एवं गांधी जयंती पर बंदी रिहा किये जाते थे। किन्तु अब राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस 15 नवम्बर को भी आजीवन कारावास से दंडित बंदियों को पात्रतानुसार रिहा किया जायेगा। जेल उप अधीक्षक मनोज मिश्रा ने रिहा होने वाले बंदियों से उन्हे पुन: अपराध नहीं करने की अपील की साथ ही उनसे अपेक्षा की है कि उन्होंने जेल में परिरूद्ध रहने के दौरान जो कौशल और प्रशिक्षण अर्जित किया है उसका उपयोग अपने परिवार के जीविकोपार्जन एवं अच्छे समाज के नव.निर्माण में सहभागी बनने के लिये करेंगे।

वाहन रैली के माध्यम से दिया स्वच्छता जागरूकता संदेश

सागर वासियों कदम बढ़ाओ नगर निगम से ताल मिलाओं, स्वच्छता में सागर को नंबर.1 बनाओं के गान से गूंजा शहर

सागर, देशबन्धु। शहर को स्वच्छता में नंबर.1 बनाने हेतु प्रत्येक सागरवासी की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखकर नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने और सफाई मित्रों की स्वास्थ्य सुरक्षा व सम्मान का उद्देश्य लेकर नगर निगम द्वारा स्वच्छता स्वाभिमान अभियान 2026 के तहत विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया। विधायक शैलेन्द्र जैन और महापौर संगीता तिवारी ने निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि के साथ हरी झंडी दिखाकर वाहन रैली को रवाना किया। नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर भी रैली में शामिल हुये। महापौर और निगमायुक्त के नेतृत्व में जागरूकता वाहन रैली संजय ड्राइव रोड किनारे नवनिर्मित घाट से प्रारंभ होकर शहर भर से होते हुये संविधान चौक पहुंची। रैली में स्वच्छता की गागर हमाओ सागर, मेरा चौराहा मेरा स्वाभिमान, मैं हूं सागर नगर मित्र, मेरे शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग करें। घर से थैला खुद ले आयें पॉलीथिन को न अपनायें। कचरा सड़क पर न फेकें, डस्टबिन का उपयोग करें। सफाई मित्र का सम्मान स्वच्छ शहर की पहचान। बनिये नागरिक दक्ष, बाजार को रखिये स्वच्छ। पॉलीथिन का उपयोग करना प्रतिबंधित है सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें आदि संदेशों की तख्तियों को हांथों में थाम कर जनप्रतिनिधि व निगमकर्मीयों ने जनजन को स्वच्छता हेतु जागरूक किया। संविधान चौक पर महापौर, निगमायुक्त सहित जनप्रतिनिधियों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

और सफाईकार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफाईमित्रों का फूलमाला व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विधायक ने कहा की सागर को स्वच्छता में नंबर.1 बनाने के लिये प्रत्येक सागरवासी को आगे आकर स्वच्छता में सहभागिता करना होगी। नगर निगम और सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा किये गये नवनिर्माणों और सौन्दर्यीकरण के साथ सशक्त सफाई व्यवस्था से हमारा शहर पहले की अपेक्षा बहुत साफ स्वच्छ और सुंदर हुआ है। नगर निगम और सफाईमित्रों की मेहनत से आज सागर की हर सड़क, तिराहे-चौराहे, गली-मोहल्ले कचरामुक्त साफ स्वच्छ दिखते हैं। महापौर ने कहा की सागर की सफाई व्यवस्था को श्रेष्ठ बनाने में प्रयासरत समस्त सफाईमित्रों और नगर निगम की टीम सहित अधिकारी कर्मचारियों को बधाई। सफाईकर्मी हमारे शहरी व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी सुरक्षा व सम्मान समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सागर को स्वच्छ सुंदर बनाये रखने में सभी नागरिक सफाईमित्रों को सहयोग दें। सागर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में नंबर.1 बनाने के लिये जिम्मेदार नागरिक बनकर साथ निभायें। निगमाध्यक्ष ने कहा की डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के एक दिन पहले आयोजित यह विशाल वाहन रैली नागरिकों में स्वच्छता जागरूकता का बिगुल फूंकेगी। नगर निगम अमले में शामिल अत्याधुनिक सफाई वाहनों सहित अनेक प्रकार की मशीनों से सागरवासी परिचित होंगे और जोर शोर से की जा रही स्वच्छता में सहभागी बनेंगे। जिलाध्यक्ष ने जय गौर जय भारत का नारा लगाते हुये कहा की शहर को स्वच्छ सुंदर बनाये रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है और हम सब सागरवासी अपनी इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभायेंगे सागर को स्वच्छता में नंबर.1 बनायेंगे। रैली का नेतृत्व कर रहे निगमायुक्त ने कहा की अब समय आ गया है सागर को देश में प्रथम बनाने का सभी पुरजोर मेहनत करें। निश्चित ही सभी का प्रयास सराहनीय है हमारे शहर ने पिछले वर्ष 73 वे स्थान से ऊपर उठकर देश में 10 वे स्थान पर जगह बनाई थी। देश में प्रथम स्थान पर आना एक बड़ी चुनौती है प्रतिस्पर्धा कठिन है लेकिन हम सभी नगर निगम परिवार अपने सागर शहर परिवार के साथ मिलकर इस चुनौती और कठिनाई को पार करेंगे और हम सब साथ में कम कर सागर को स्वच्छता में नंबर.1 बनायेंगे। इस अवसर पर नगर निगम के समस्त इंजीनियर, जोन प्रभारी, सफाई दरोगा एवं सफाई मित्र सहित रैमकी के कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

सार समाचार

नए थाना प्रभारी ने संभाला प्रभार, नगर में निकला फ्लैग मार्च

बड़ामलहरा, देशबन्धु। थाना बमनौरा से स्थानांतरित होकर आए नए थाना प्रभारी शिशिर तिवारी ने बड़ामलहरा थाना की कमान संभाल ली है। पदभार ग्रहण करने के बाद फ्लैग मार्च निकालकर उन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कडा रुख अपनाने के संकेत दिए हैं।

प्रेस से चर्चा करते हुए थाना प्रभारी श्री तिवारी ने कहा, क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाना प्राथमिकता होगी। साथ ही, पुलिस और जनता के बीच संवाद करके विश्वास को मजबूत किया जाएगा, क्योंकि कानून व्यवस्था बनाए रखने में आम नागरिकों का सहयोग महत्वपूर्ण है। पदभार संभालने के बाद थाना प्रभारी ने पुलिस बल के साथ नगर के मुख्य मार्गों से फ्लैग मार्च निकाला। उन्होंने आमजन से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, पुलिस हमेशा आपके साथ है। हर हाल में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट से युवक घायल, गांव में घुसने से रोका

छतरपुर, देशबन्धु। गौरिहार थाना क्षेत्र के ग्राम कटरा निवासी रामदेव राजपूत के साथ गांव के कुछ दबंग लोगों द्वारा लात-घूंसे और बंदूक की बट से मारपीट की गई, जिससे उसके हाथ, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के बाद आरोपियों ने उसे थाने में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। इतना ही नहीं, पीड़ित को गांव में प्रवेश करने से भी रोका जा रहा है, जिससे वह भयभीत है। न्याय की मांग को लेकर रामदेव राजपूत ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोपियों रितिक तिवारी तनय शिवपाल तिवारी, शेरू, पिंसू निवासीगण कबरई, सियाशरण तनय जगदीश राजपूत निवासी ग्राम कटरा सहित अन्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की जा रही है।

3 दिन में खाते में लौटे 25 हजार

छतरपुर, देशबन्धु। भारतीय स्टेट बैंक की बकस्वाहा शाखा ने ग्राहक सेवा का अच्छा उदाहरण पेश करते हुए एक शिकायत का मात्र तीन दिन में समाधान कर दिया है। ग्राम जामुनझिरी निवासी अर्चना साहू के खाते से वर्ष 2024 में तकनीकी कारणों से 25 हजार की राशि अन्य खाते में समायोजित हो गई थी। 10 अप्रैल को लिखित शिकायत मिलने पर शाखा प्रबंधन ने तुरंत जांच शुरू की और 13 अप्रैल को पूरी राशि वापस ग्राहक के खाते में जमा करा दी। शाखा प्रबंधक प्रमोद दिनकर ने बताया स्वयं सहायता समूह खाते के एनपीए होने के बाद सिस्टम में हुई तकनीकी त्रुटि के कारण यह स्थिति बनी थी। राशि वापस मिलने पर ग्राहक ने संतोष जताया है। लोगों ने कहा बैंक की त्वरित कार्रवाई से परिवार को आर्थिक राहत मिली, वहीं ग्राहकों का भरोसा मजबूत हुआ है।

जेल में बंद मां ने लगाए गंभीर आरोप

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के सरवई थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर अपने बेटे के खिलाफ दर्ज पॉक्सो केस में गंभीर सवाल उठाए हैं। महिला का आरोप है कि जिस नाबालिग लड़की की शिकायत पर उसके बेटे को जेल भेजा गया था, उसकी मां ने कानूनी शपथ पत्र का उल्लंघन करते हुए अपनी बेटी का नाबालिग उम्र में ही बाल विवाह कर दिया है। पीड़िता सीता बसोर के अनुसार, बाल कल्याण समिति के समक्ष लड़की की सुरक्षा का जिम्मा लेने के बावजूद उसे दूसरी जगह ब्याह दिया गया, जो बाल विवाह अधिनियम के विरुद्ध है।

देर रात हुए सड़क हादसे से 2 परिवारों में छाया मातम

ट्रक ने मोटर साइकिलों में मारी टक्कर, 2 की मौत, 4 घायल

बकस्वाहा, देशबन्धु। जिले के बकस्वाहा क्षेत्र के तेइयामार तिराहे पर रविवार की देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने दो मोटर साइकिलों में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोरी ने इलाज के दौरान दम तोड दिया। वहीं चार लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। ये सभी लोग मोटर साइकिलों से अपने गांव लौटते समय हादसे के शिकार हो गए।

टक्कर इतनी भीषण थी, कि गजराज यादव 24 वर्ष पुत्र परमलाल यादव निवासी सगोरिया ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घायलों में दीपा लोधी 15 वर्ष, चंदू यादव 23 वर्ष निवासी शाहपुरा, ऊषा लोधी 30 वर्ष, राजाराम लोधी 35 वर्ष, प्रिंस लोधी 10 वर्ष सभी निवासी भडाटोर शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत राहत कार्य में जुट गए।

घायलों को बकस्वाहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया गया। बता दें कि घायलों को दमोह ले जाने के लिए करीब दो घंटे तक कोई एंबुलेंस नहीं मिली। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि गंभीर रुप से घायल दीपा लोधी की हालत जब ज्यादा बिगड़ने लगी तो उसे तत्काल एक निजी वाहन से जिला अस्पताल दमोह रवाना किया गया, मगर रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस घटना से घायलों के परिजनों में खासा आक्रोश देखा गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एंबुलेंस व्यवस्था को सुचारु बनाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हालातों का सामना न करना पड़े।

सीएचसी में डॉक्टर और स्टाफ की कमी से परेशानी

ये बात किसी से छुपी नहीं है, कि बक्सवाहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से डॉक्टरों और स्टाफ की कमी बनी हुई है। पर्याप्त चिकित्सा सुविधा और विशेषज्ञ डॉक्टर न होने से गंभीर घायलों को तत्काल बेहतर उपचार न मिलने से उन्हें जिला अस्पताल छतरपुर या दमोह रेफर करना पड़ता है। लोगों का कहना, यदि अस्पताल में पर्याप्त सुविधाएं, संसाधन और स्टाफ उपलब्ध हो, तो घायलों को समय पर समुचित इलाज मिलने से उनकी जान आसानी से बचाई जा सकती है।

इनका कहना है

सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर जाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और जांच शुरु कर दी है। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोरी की दमोह ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को जब्त कर लिया गया है।

जीतेन्द्र वर्मा
थाना प्रभारी, बकस्वाहा

पोषण पुनर्वास केंद्र में शराबखोरी मामले की जाँच शुरु

छतरपुर, देशबन्धु। जिला चिकित्सालय के पोषण पुनर्वास केंद्र में शराबखोरी और महिलाओं से अभद्रता के मामले में सिविल सर्जन ने जाँच दल गठित करके शीघ्र प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं।

ज्ञात हो कि अति कुपोषित बच्चों के उपचार के लिए स्थापित पोषण पुनर्वास केंद्र में शासन ने पुरुष कर्मचारियों की सेवाएँ पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। इसके बावजूद वहां रोगी कल्याण समिति के एक ऐसे कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है, जिसे पूर्व में भी नशे का आदी होने के कारण वहां से हटाया जा चुका है। वही कर्मचारी गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात शराब के नशे में धुत्त होकर पोषण पुनर्वास केंद्र पहुँचा और महिलाओं से अभद्रता की थी। पीड़ित महिलाओं इस मामले की शिकायत ने वार्डन से करके कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की माँग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ शरद चौरसिया ने जाँच दल गठित कर दिया है। वहीं कुछ लोगों ने आशंका जताई है कि अस्पताल के ही कतिपय कर्मचारी इस मामले की निष्पक्ष जाँच में अवरोध उत्पन्न करने के प्रयास में जुटे हुए हैं।

पंचायत में गहराया सरपंच और रोजगार सहायक का विवाद

महाराजपुर, देशबन्धु। जनपद नौगांव की ग्राम पंचायत दिलनियां में सरपंच और रोजगार सहायक के बीच विवाद और गरमा गया है। दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ अधिकारियों से शिकायतें करके जांच की मांग की जा रही है। इस असंतोष से पंचायत का कामकाज प्रभावित हो रहा है।

पंचायत के सरपंच बृजलाल कुशवाहा ने जनपद सीईओ को दिए शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि नव पदस्थ रोजगार सहायक राघवेंद्र सिंह परमार मूल रुप से गांव का ही रहने वाला है, वह क्षेत्र में अपना रुतबा जमाकर हितग्राहियों से अभद्रता करने से बाज नहीं आ रहा है। उसके द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, खेत तालाब योजना सहित अन्य विकास कार्यों में मस्टर रोल ही नहीं लगाए जाते हैं। ग्रामीणों को भ्रमित करके पंचायत के खिलाफ भडकाने का काम भी करता है। जिससे पंचायत का काम काज बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। सरपंच ने रोजगार सहायक राघवेंद्र सिंह का स्थानांतरण करने और पूर्व में पदस्थ रोजगार सहायक सुभाष रावत को पुन: पंचायत में पदस्थ करने की मांग की है।

जनगणना के लिए 16 से वेब स्वगणना पोर्टल शुरु, लोग खुद भरें जानकारी

छतरपुर, देशबन्धु। सोमवार को टीएल बैठक में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी पार्थ जैसवाल ने जनगणना 2027 के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाना है।

उन्होंने कहा 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक आमजन के लिए स्व गणना वेब पोर्टल शुरु हो रहा है। जिसमें आमजन स्वयं अपनी जनगणना संबंधी जानकारी भर सकेंगे। इस प्रक्रिया करने के बाद 1 मई से जब प्रगणक घर-घर जाकर एक स्वगणना पहचान संख्या के माध्यम से सत्यापन करेंगे। कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को भी स्व गणना वेब पोर्टल से जनगणना संबंधी प्रक्रिया की जानकारी स्वयं दर्ज करने और अधीनस्थ कर्मचारियों को भी इस पोर्टल से जनगणना प्रक्रिया को आसान बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने नगरीय एवं ग्रामीण चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कराएं, यदि कोई अनुपस्थित हो तो उसका पुन: प्रशिक्षण कराया जाए। जनपद एवं निकायों के सभी शासकीय कार्यालयों में जनगणना के प्रचार के लिए पोस्टर चस्पा करें।

प्रशासन ने ली सुध : आंदोलनरत ग्रामीणों के लिए पहुंचाए पानी के टैंकर और चिकित्सा दल

छतरपुर, देशबन्धु। करीब 10 दिनों से आंदोलन कर रहे ढोढन बांध के विस्थापितों की बिगडती हालत से प्रशासन की जमकर किरकिरी हो रही थी। इससे बचने के लिए अब प्रशासन आंदोलकारियों की सुध लेकर अपनी छवि को चमकाने में जुट गया है। मौके पर पानी के तीन टैंकर और मेडीकल टीम को भेजकर आंदोलन करने वालों की सुध ली गई है।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बताया केन-बेतवा लिंक परियोजना के निर्माणाधीन ढोड़न बांध स्थल पर प्रदर्शन कर रहे लोगों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत शुद्ध पेयजल का एक टैंकर सुबह और दो शाम को भेजे गए हैं। सीएचओ पुरुषोत्तम धाकड़ ने बताया, स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रदर्शन स्थल पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगा रही है। सोमवार को 60 लोगों का उपचार किया गया। इसके अलावा लोगों को राशन खाद्य सामग्री ले जाने से भी रोक हटा दी गई है। वहीं परियोजना के तहत विस्थापित ग्राम डुगरिया में लोगों की स्वेच्छा से 14 मकान गिराए गए हैं। 5 ग्रामीणों ने स्वेच्छा से अपने मकान हटाने की सहमति दीए जिनके लिए प्रशासन द्वारा बुलडोजर की व्यवस्था कराई गई। वहीं प्रशासन ने 9 ऐसे मकानों को हटाया, जिनके मालिकों के पास ग्राम में एक से दो घर और थे या उन्होंने अन्य स्थानों पर पहले से ही अपना निवास बना लिया था। अधिकारियों ने बताया उन मकानों को नहीं गिराया गया है, जहां आने वाले दिनों में विवाह जैसे सामाजिक कार्यक्रम पहले से तय हैं, या जिन परिवारों के पास रहने के लिए केवल एक ही घर है। प्रशासन ने दावा किया है, इस कार्यवाही में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय और विश्वास देखने को मिला। जिससे उम्मीद है, परियोजना का सफल क्रियान्वयन संभव हो सकेगा।

मानवाधिकार संगठन ने शुरू कराए नि:शुल्क प्याऊ, मिलेगा शुद्ध पेयजल

छतरपुर, देशबन्धु। बढ़ती गर्मी में प्यासों के कंठ तर करने के लिए मानवाधिकार प्रशासनिक संस्थान नई दिल्ली की छतरपुर इकाई द्वारा सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुभाष चौबे और आकाशवाणी कार्यक्रम अधिकारी रविंद्र प्रजापति के आतिथ्य में आकाशवाणी तिराहे के बस स्टैंड पर शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ कराया गया है।

इस अवसर पर वरिष्ठ संपादक सुरेंद्र अग्रवाल, रि. डिप्टी कमिश्नर परिवहन अजय गुप्ता, समाजसेवी शंकरलाल सोनी, एड संजय शर्मा, मनोज खत्री, विपिन अवस्थी, संजय जैन फट्टा, गिरजा पाटकर, आनंद अग्रवाल, आनंद शर्मा, स्वतंत्र शर्मा, के एन सोमन, कुलदीप खरे, प्रमोद खरे, बबलू शर्मा, श्रीमती प्रभा वैद्य, सपना शर्मा, मार्जिन बानो, शोभा खरे, सहित शहर के अनेकों गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी जन उपस्थित रहे। बताया गया है, संस्थान की जिला इकाई छतरपुर द्वारा पिछले 5 वर्षों से राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए दो मटका वाले नि:शुल्क प्याऊ शहर में 10 अलग-अलग जगह पर खोले जाते हैं। इस वर्ष 11वां नि:शुल्क प्याऊ आकाशवाणी तिराहे के बस स्टॉप पर नगर पालिका एवं आकाशवाणी केंद्र के सहयोग से मीडिया सचिव पंकज जैन की देखरेख में शुरू किया जा रहा है। श्री जैन ने बताया अभी तक दो प्याऊ फब्बारा चौक पर जितेंद्र पटवा की दुकान व संदीप एंटरप्राइजेज बस स्टैंड पर, तीसरा मनोज खत्री सदर बाजार, चौथा गहोई धर्मशाला मऊ दरवाजा, पांचवा हटवारा जैन मंदिर के बगल से सुनील गुप्ता की दुकान पर , छटवां महलो पर आनंद अग्रवाल की दुकान पर, सातवां एमपी ई वी ऑफिस में सौरभ गोस्वामी जी द्वारा, आठवां पन्ना नाके पर राजीव जैन द्वारा, नोवां शांति नगर कॉलोनी में सुनील अग्रवाल जी द्वारा, दसवां गिरजाघर के पास मेन मार्केट बिजावर में शुरू कराया जा चुका है।

ई-टोकन नियमों की अनदेखी पर उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए लागू की गई ई-टोकन प्रणाली की अवहेलना करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर कृषि विभाग ने जांच के बाद, नियमों का उल्लंघन करने पर बिजावर और नौगांव तहसील के दो उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं।

उप संचालक कृषि एवं अनुज्ञापन (उर्वरक) अधिकारी डॉ. एके मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बिजावर स्थित मेसर्स जटाशंकर बीज भंडार (संचालक राहुल गुप्ता) और नौगांव के ईशानगर चौराहा स्थित मेसर्स परिहार बीज भंडार (संचालक खूबसिंह परिहार) द्वारा शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद किसानों को बिना ई-टोकन के यूरिया का विक्रय किया गया।

ज्ञात हो कि शासन और कलेक्टर द्वारा 1 अप्रैल 2026 से शत-प्रतिशत ई-टोकन के माध्यम से ही उर्वरक वितरण के निर्देश दिए गए थे। विभागीय जांच में पाया गया कि दोनों विक्रेताओं ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की शर्तों का उल्लंघन किया है।

इस संबंध में विभाग द्वारा संबंधितों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिन में जवाब मांगा गया था। विक्रेताओं द्वारा प्रस्तुत प्रतिउत्तर संतोषजनक न पाए जाने पर, दोनों दुकानों के उर्वरक भंडारण एवं विक्रय लाइसेंस को आगामी आदेश तक के लिए निलंबित कर दिया गया है।

छात्र-छात्राओं और वॉलंटियर्स को सिखाई जीवन रक्षक तकनीक

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में आपदाओं से निपटने और जनहानि बचाने के लिए ऑडिटोरियम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार, होमगार्ड नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन द्वारा भूकंप पूर्व तैयारी एवं जोखिम प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर कौशल सिंह थे। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के जियोलॉजिकल के प्रोफेसर डॉ पीके जैन ने भूकंप की वैज्ञानिक स्थिति और जोखिम प्रबंधन पर विस्तार से प्रकाश डाला। एनडीईआरएफ के निरीक्षक साहबजीत सिंह यादव और एसडीईआरएफ के प्लाटून कमांडर विनीत तिवारी ने आपदा के दौरान त्वरित कार्रवाई के व्यावहारिक तरीके सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान आपदा मित्रों, सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स, एनसीसी, एनएसएस और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं को सीएसएसआर और एमएफआर के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को भूकंप के समय मलबे में दबे घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने, उन्हें कृत्रिम सांस देने की विधि, प्राथमिक उपचार, फायर डिजास्टर मैनेजमेंट और इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही, सीमित संसाधनों में इम्प्रोवाइजश् तरीके से घायलों को अस्पताल पहुँचाने की तकनीक भी बताई गई। कार्यशाला में जिला सेनानी होमगार्ड एसडीईआरएफ भूपेंद्र सिंह ठाकुर, सेवानिवृत्त जिला सेनानी करण सिंह सहित विभागीय अधिकारी और प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में 80 लाख के बजट से खुलेगा एमएसएमई ऊष्मायन केन्द्र

नवाचार: युवाओं को उपलब्ध हो सकेंगे स्वरोजगार और स्टार्टअप के अवसर

छतरपुर, देशबन्धु। *महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में नवाचार से महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है, दरअसल यहां विश्व बैंक समर्थित रैंप योजना के तहत एमएसएमई इनोवेशन कम इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार एवं स्टार्टअप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।*

विश्वविद्यालय की मीडिया प्रभारी पूजा तिवारी ने बताया विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो राकेश कुशवाह के मार्गदर्शन व कुलसचिव यशवंत सिंह पटेल के निर्देशन में इस सेंटर के स्थापना के लिए मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम; के साथ समझौता किया गया है। इस पहल को क्षेत्रीय विकास एवं नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। इस परियोजना के लिए कुल 80 लाख रुपए का बजट स्वीकृत हुआ है, इसमें से प्रथम किश्त के रुप में 20 प्रतिशत राशि की प्रथम किश्त जारी की जा चुकी है। इससे केंद्र की स्थापना से संबद्ध कार्यों में तेजी आई है। बताया गया है, इस परियोजना के संचालन के लिए डॉ केके गंगेले को नोडल अधिकारी बनाया गया है। ये केंद्र की स्थापना, संसाधन प्रबंधन और एमपीएलयूएन के साथ समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसे प्रदेश के अग्रणी इनक्यूबेशन केंद्रों में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

2500 वर्ग फीट क्षेत्र में विकसित होगा सेंटर : *विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया प्रस्तावित इनक्यूबेशन सेंटर लगभग 2500 वर्ग फीट क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसमें आधुनिक प्रयोगशालाएं, को-वर्किंग स्पेस सहित प्रशिक्षण की सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यहां छात्रों एवं स्थानीय उद्यमियों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन, प्रशिक्षण देने के साथ वित्तीय सहायता के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे।*

शोधार्थी शिवपूजन का शोध कार्य पूर्ण

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र अध्ययनशाला एवं शोध केंद्र की विभागाध्यक्ष प्रोण् अमिता अजरिया के मार्गदर्शन में शोधार्थी शिवपूजन पटेल का शोध कार्य पूर्ण हो गया है। शोध कार्य का मूल्यांकन बाह्य परीक्षक प्रो राकेश खरे विभागाध्यक्ष मॉडल साइंस कॉलेज ग्वालियर ने किया। शोध का विषय एथ्नोमेडिसिनल, फाइटोकेमिकल एवं प्रति ऑक्सीकारक गतिविधि का अध्ययन एपियम ग्रेविओलेंस यानि धनिया, क्यूमिनम साइमिनम यानि जीरा, फोएनिकुलम वल्गारे यानि सौंफ और ट्रैकिस्पर्मम एम्मी यानि अजवाइन था। मौखिक परीक्षा में पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो एलसी चौरसिया, निर्देशक शोध एवं विकास प्रो बहादुर सिंह परमार, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो मंजूषा सक्सेना, प्रो पीके खरे, प्रो पीएल प्रजापति, प्रो अमिता अजरिया, डॉ चंद्रप्रभा सहित विभाग के सदस्य उपस्थित रहे।

सागर, मंगलवार 14 अप्रैल 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

अद्‌भूत जीवटता की मिसाल आशा भोंसले

फिल्म और संगीत जगत की महान गायिका आशा भोंसले ने 92 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। चार साल पहले उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर का भी लगभग इसी उम्र में निधन हुआ था। लता मंगेशकर के जाने पर संगीत की दुनिया में जो खालीपन कायम हुआ था, अब आशा भोंसले के जाने के बाद उसका दायरा कुछ और बढ़ गया है। मराठी और कोंकणी के दिग्गज संगीतकार रहे दीनानाथ मंगेशकर की पांचों संतानें हृदयनाथ मंगेशकर, लता मंगेशकर, उषा मंगेशकर, मीना खाडिलकर और आशा भोंसले सभी में स्वाभाविक तौर पर संगीत का गुण आया, लेकिन लता मंगेशकर और आशा भोंसले ने इस क्षेत्र में अलग ही मुकाम हासिल किया। दोनों बहनों की गायकी में कई बार तुलना की गई, उनमें आपसी प्रतिस्पर्द्धा के किस्से चटखारे लेकर सुने गए, दिखाए गए। लेकिन इन बहनों ने अल्पायु में कैसे अपने परिवार को संभाला और उसके साथ संगीत की दुनिया को अपनी गायकी का अनमोल खजाना दिया, इस बात को कोई भी विवाद हाशिए पर नहीं धकेल पाया। लता मंगेशकर को तो भारत रत्न जैसा सर्वोच्च सम्मान मिला, वे उसकी हकदार थीं भी, आशा भोंसले को भी पद्म विभूषण, दादा साहेब फाल्के सम्मान, नेशनल अवार्ड समेत कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया। लेकिन यह कड़वा सच अपनी जगह कायम है कि उनकी अद्भुत प्रतिभा के अनुरूप उनकी कद्र नहीं हुई, कहीं कोई कमी हमेशा बनी रही।

अपने पिता की मौत के बाद महज 9 बरस की उम्र में आशा भोंसले ने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ घर चलाने के लिए काम करना शुरु कर दिया था। लेकिन 16 साल की उम्र में खुद से दोगुनी उम्र के व्यक्ति के साथ शादी करने पर उन्हें परिवार से दूर रहना पड़ा। इस विवाह से तीन बच्चे हुए, लेकिन फिर यह शादी टूट गई और पहले से संघर्षरत आशा भोंसले की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गईं। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी। गुज़ारा करने के लिए, उन्होंने ऐसी रिकॉर्डिंग्स के लिए हामी भरी, जिसे दूसरे गायकों ने ठुकरा दिया। 1950 के उस दशक में अच्छे बैनर की फिल्में स्थापित गायकों को मिलती थीं। ऐसे में आशा भोंसले के हिस्से में दूसरे के छोड़े हुए गीत, खलनायिकाओं या नैगेटिव किरदार निभाने वाली अभिनेत्रियों के लिए बनाए गए गीत, जिनमें पाश्चात्य संगीत का पुट होता, वही सब आते। उस दौर का भारतीय समाज ऐसे गानों को सभ्य लोगों के बीच सुनने या गुनगुनाने लायक नहीं मानता था। लिहाजा आशा भोंसले की कोई खास पहचान नहीं बनी, वहीं लता मंगेशकर ऐ मेरे वतन के लोगों जैसे गीत के साथ पूरे भारत के लिए आदरणीय बन चुकी थीं। अपने संघर्षपथ पर आगे बढ़ते हुए आशा भोंसले ने 1948 से 1957 के बीच देश के किसी भी अन्य गायक से ज़्यादा गाने रिकॉर्ड किए, और आखिर में उनके संघर्ष को पहचान मिली फिल्म नया दौर के गीतों से। 1957 की इस फिल्म में संगीतकार ओ.पी. नैयर ने उन्हें मुख्य गीत दिए। पहली बार, वह नायिका की आवाज़ बनीं। 1960 के दशक के मध्य तक, उन्होंने युवा संगीतकार आर.डी. बर्मन के साथ साझेदारी की। और फिर इस जोड़ी ने संगीत और गायकी के कैसे कारनामे करके दिखाए ये भारतीय श्रोता अच्छे से जानते हैं।

1966 में जब आर डी बर्मन ने आशा भोंसले को तीसरी मंजिल के लिए पश्चिमीकृत नृत्य गीत 'आजा आजा' गाने दिया, पहले आशा भोंसले ने इसे गाने में असमर्थता दिखाई। जिस पर आर डी बर्मन ने संगीत को फिर से लिखने का प्रस्ताव दिया। लेकिन आशा भोंसले ने इनकार कर दिया, दस दिनों तक अभ्यास किया और उस दशक के सबसे बड़े हिट गानों में से एक दिया। यह पेशेवर साझेदारी 1980 में विवाह में तब्दील हो गई। आर डी बर्मन के रूप में आशा भोंसले को एक बेहतरीन जीवनसाथी मिला, लेकिन 1994 में उनका निधन हो गया, आशा भोंसले के जीवन में फिर खालीपन छा गया। 2012 में उनकी बेटी वर्षा ने 56 वर्ष की आयु में आत्महत्या की। 2015 में उनके बेटे हेमंत का कैंसर से निधन हो गया। ये सारे आघात किसी भी इंसान को भीतर तक तोड़ देते हैं, लेकिन आशा भोंसले मजबूती से खड़ी रहीं, गाती रहीं।

फिल्म उमराव जान के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। 1981 में संगीतकार खय्याम ने उन्हें उमराव जान की ग़ज़लों के लिए सामान्य से दो सुर नीचे गाने के लिए कहा। आशा ने इस शर्त को भी बखूबी निभाया और इस धारणा को तोड़ दिया कि वह केवल पॉप संगीत ही कर सकती हैं। 62 वर्ष की आयु में, उन्होंने ए.आर. रहमान के साथ रंगीला का साउंडट्रैक रिकॉर्ड किया। लेकिन उनकी प्रतिभा से अभी दुनिया पूरी तरह परिचित नहीं हुई थी, 79 वर्ष की आयु में, उन्होंने माई फिल्म में बतौर अभिनेत्री भी काम किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उन्हें 2011 में संगीत इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में प्रमाणित किया। उन्होंने आठ दशकों में 20 से अधिक भाषाओं में 11,000 से अधिक गाने गाए, और दुनिया का कोई भी अन्य कलाकार उनके करीब नहीं पहुंच पाया है।

वह एक ऐसी हस्ती थीं जिनकी आवाज़ ने न केवल भारत में लोगों के दिलों को छुआ बल्कि दुनिया भर के श्रोताओं को प्रेरित किया। ब्रिटिश रॉक बैंड कॉर्नरशॉप ने 1997 में अपना तीसरा एल्बम, व्हेन आई वाज़ बॉर्न फॉर द सेवंथ टाइम, रिलीज़ किया और इसका एक गाना था ब्रिमफुल ऑफ आशा। क्रोनोस क्वार्टेट ने उनके साथ आर.डी. बर्मन की रचनाओं का एक एल्बम रिकॉर्ड किया और ग्रैमी नामांकन अर्जित किया। वहीं इस साल की शुरुआत में, 92 वर्ष की आयु में, वह ब्रिटिश बैंड गोरिल्लाज़ के एक ट्रैक में दिखाई दीं और उनके साथ एक एलबम में अपनी आवाज दी।

इस तरह देखें तो 9 बरस से गीतों की रिकार्डिंग शुरु करने वाली आशा भोंसले ने 92 तक रिकार्डिंग की, 80-82 साल तक सुरों को सजाना एक ऐसा कमाल है, ऐसी उपलब्धि है, ऐसा मुकाम है, जहां शायद ही कोई दूसरा पहुंच सके।

हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अंगीकार कर मैं बहुत प्रसन्न हूं : डॉ अम्बेडकर

मैं आज बहुत ही प्रफुल्लित हूं। मैं जरूरत से ज्यादा प्रसन्न हूं। मैंने जिस क्षण हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने नर्क से मुक्ति पा ली है।' ये शब्द डॉ. अम्बेडकर के उस भाषण के हैं जो उन्होंने हिन्दू धर्म को त्यागकर बौद्ध धर्म को स्वीकार करते हुए दिया था।

उन्होंने अपने भाषण में याद दिलाया कि सन् 1935 में हमने हिन्दू धर्म त्यागने का आंदोलन प्रारंभ किया था। उसी दरम्यान मैंने यह फैसला किया था कि मैं हिन्दू पैदा हुआ था परंतु मैं हिन्दू के रूप में मरूंगा नहीं। मैंने कल यह सही साबित कर दिया। आज मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने हिन्दू रूपी नर्क से मुक्ति पा ली है।

नागपुर में सन् 1956 के 15 अक्टूबर को अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ अम्बेडकर ने कहा 'मुझे यह जानकर आश्चर्य है कि हर जगह यह बातचीत चल रही है कि मैं धर्म परिवर्तन कर रहा हूं। पर कोई यह नहीं पूछ रहा कि मैं हिन्दू धर्म छोड़कर कौनसा धर्म स्वीकार कर रहा हूं। मेरा उत्तर है कि मैं बौद्ध धर्म अंगीकार कर रहा हूं। मैं क्यों बौद्ध धर्म को स्वीकार कर रहा हूं? मैंने बहुत पहले हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय ले लिया था क्योंकि मैंने हिन्दू समाज में अत्यधिक अपमान का जीवन जिया था। मेरे पिता बहुत गरीब थे। शायद किसी और व्यक्ति ने इतना कठिन जीवन जिया हो जितना मैंने जिया।

'मैंने यह महसूस किया कि भैंस, बैल और इंसान में अंतर है। भैंस और बैल को प्रतिदिन भूसा चाहिए। खाना तो इंसान को भी चाहिए। परंतु एक अंतर है। वह यह कि इंसान के पास मस्तिष्क है। मस्तिष्क के विकास के लिए सांस्कृतिक वातावरण चाहिए। समाज में पूछा जाता है अरे यह महार है। यह नीच महार प्रथम दर्जा चाहता है। इसे तीसरे दर्जे में रहना चाहिए। प्रथम दर्जे में रहने का अधिकार तो ब्राह्मण को है। ऐसी स्थिति में महार का विकास कैसे हो सकता है। ऐसा वातावरण बना दिया गया जिसमें महार के दिमाग का विकास संभव नहीं। मेरा ही उदाहरण लें। मुझे स्कूल में बिना पानी के रहना पड़ता था। मैं एक ही कपड़े में स्कूल जाता था।

'हिन्दू समाज को चार वर्णों में बांटा गया था। मनुस्मृति में ऐसा विभाजन किया गया है। हिन्दू समाज में जो हमें नीचे दर्जे में रखते हैं वे स्वयं भी एक दिन नष्ट हो जाते हैं। हिन्दू धर्म में रहकर कोई भी विकास नहीं कर सकता। वह धर्म ही ऐसा है जिसमें सभी के लिए विकास के दरवाजे बंद रहते हैं। हिन्दू धर्म विध्वंस का धर्म है। जब ब्राह्मण मां बच्चे को जन्म देती है तो सोचती है उसका बेटा जज बनेगा। परंतु जब महार मां बच्चे को जन्म देती है तो वह सोचती है कि उसका बच्चा सड़क झाड़ने वाला मेहतर बनेगा। वह सोच ही नहीं सकती कि उसका बच्चा जज बनेगा।

'ईसाई धर्म बुनियादी रूप से गरीबों का धर्म है। इसी तरह बौद्ध धर्म महारों का धर्म है। ब्राह्मण लोग गौतम बुद्ध को 'वो गौतम' कहकर पुकारते थे। हमने बौद्ध धर्म अंगीकार करके एक नया रास्ता, एक नई मंजिल पाई है। यह उच्चता प्राप्त करने और प्रगति का धर्म है। यह रास्ता बाहर से नहीं आया है। यह हमारे देश का है। यह पूर्ण रूप से भारतीय है। मैं कभी-कभी सोचता हूं कि हम बौद्ध क्यों नहीं। क्या कारण था कि बौद्ध धर्म के अनुयायी भारत से आगे चले गए। कुछ तिब्बत चले गए, कुछ चीन चले गए। बौद्ध धर्म अंगीकार करते हुए हमें याद रखना चाहिए कि सारी दुनिया बौद्ध धर्म का सम्मान करती है। अमेरिका में बौद्ध धर्म की 2000 संस्थाएं हैं। इसी तरह इंग्लैंड और जर्मनी में भी बौद्ध धर्म की हजारों संस्थाएं हैं।

बौद्ध धर्म की मौलिक नींव क्या है। बौद्ध धर्म और अन्य धर्मों में क्या अंतर है? अन्य धर्मों के अनुसार सब कुछ ईश्वर ने बनाया है, आकाश, चन्द्रमा, सूर्य सब कुछ ईश्वर ने बनाया है। हमने इंसान के लिए कुछ नहीं छोड़ा है। बौद्ध धर्म में ईश्वर और आत्मा का कोई स्थान नहीं है। बुद्ध के अनुसार सारी दुनिया में दु:ख है। बौद्ध धर्म का काम सारी मानवता को दु:ख से उबारना है। कार्ल मार्क्स भी यही कहते हैं। उन्होंने जो कहा वह बुद्ध ने जो कहा उससे भिन्न नहीं है।

हिन्दू धर्म की रचना ऐसी है जिसके चलते पिछले हजार वर्षों में हमारी जाति में एक भी ग्रेजुएट पैदा नहीं हुआ। यहां तक कि मेरी जाति के लोगों को पानी पीने को भी नहीं मिलता था। पानी पीने के लिए हमें स्कूल के चपरासी का सहारा लेना पड़ता था। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप बौद्ध धर्म का पालन ऐसे करें जिससे सब आपका सम्मान करें। आप लोग ऐसा कुछ न करें जिससे बौद्ध धर्म पर कोई आंच आए।

एल. एस. हरदेनिया

'ईसाई धर्म बुनियादी रूप से गरीबों का धर्म है। इसी तरह बौद्ध धर्म महारों का धर्म है। ब्राह्मण लोग गौतम बुद्ध को 'वो गौतम' कहकर पुकारते थे। हमने बौद्ध धर्म अंगीकार करके एक नया रास्ता, एक नई मंजिल पाई है। यह उच्चता प्राप्त करने और प्रगति का धर्म है। यह रास्ता बाहर से नहीं आया है। यह हमारे देश का है। यह पूर्ण रूप से भारतीय है।'

उच्च जाति के लोग कहते हैं कि हम यदि एक भैंस की लाश को ठिकाने लगाते हैं तो हमें 500 रूपए मिलते हैं। मेरा आपसे कहना है कि आप ही भैंस और गायों की लाशों को ठिकाने लगाएं और 500 रूपए कमाएं। एक ब्राह्मण युवक मेरे पास आया और कहने लगा कि आपको अब क्या करना चाहिए। आपके लिए संसद में सीटें आरक्षित हो गई हैं। मैंने उससे कहा कि 'तुम मेहतर बन जाओ और इन सीटों को भर लो।' आरक्षण अकेले से काम नहीं चलता है। बात सम्मान की भी है। पैसा तो वेश्या भी कमाती है। सुबह उठते हुई वह नाश्ते में खीमा और डबल रोटी खाती है। परंतु मेरे समाज के लोगों को चने फुटेने भी नाश्ते में नहीं मिलते हैं पर वे इज्जत से रहते हैं।

ये अखबार वाले मुझसे पूछते हैं कि क्या बौद्ध धर्म स्वीकार करने से हमारे समाज के लोगों को सम्मान मिलेगा? मैं किसी को बौद्ध धर्म स्वीकार करने को मजबूर नहीं करूंगा। जो बौद्ध बनना चाहते हैं वे मन से बनें। मेरी मान्यता है कि मनुष्य के विकास के लिए धर्म आवश्यक है। परंतु वह धर्म हिन्दू नहीं हो सकता। हिन्दू समाज में पैदा होकर मैंने बहुत ही अपमान की जिंदगी बिताई। इसलिए वर्षों पहले मैंने फैसला कर लिया था कि भले ही मैंने जन्म हिन्दू समाज में लिया हो मैं हिन्दू के रूप में कदापि नहीं मरूंगा। आज मेरा यह सपना पूरा हो रहा है। इसलिए मैं बहुत प्रसन्न हूं।

आखिर हिन्दू समाज मनुस्मृति से संचालित होता है। मनुस्मृति में चतुर्वर्ण की व्यवस्था है। मनुस्मृति में यह व्यवस्था है कि शूद्र सिर्फ काम करेगा। चतुर्वर्ण व्यवस्था मानवता के विकास के लिए खतरनाक है। मनुस्मृति के अनुसार शूद्रों को शिक्षा कतई जरूरी नहीं है। शिक्षा का अधिकार सिर्फ ब्राह्मणों को है। क्षत्रियों का काम हथियारों से लैस रहना है और वेश्यों को व्यापार करने का अधिकार है। चतुर्वर्ण सिर्फ सामाजिक व्यवस्था नहीं है। वह धर्म है। ऐसे धर्म में हम क्यों रहें? इसलिए बहुत सोच-समझकर मैं आप लोगों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार कर रहा हूं।

कई लोगों ने यह सवाल पूछा कि धर्म परिवर्तन का कार्यक्रम नागपुर में क्यों संपन्न हो रहा है। कुछ लोगों ने यह शंका प्रकट की कि चूंकि नागपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है इसलिए उन्हें बदनाम करने के लिए नागपुर को चुना गया। ऐसी कोई बात नहीं है। एक समय था जब नागपुर नागाओं का कार्यस्थल था। आर्यों और अनार्यों के बीच अनेक युद्ध हुए। पुराणों में इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिनमें यह बताया गया है कि कैसे आर्यों ने नागाओं को जला दिया। प्रसिद्ध ऋषि अगस्ती एक नागा को बचाने में सफल हुए। हम उन्हीं नागाओं की संतानें हैं। नागा, जिन्होंने भयंकर शोषण का सामना किया उन्हें किसी महापुरूष की आवश्यकता थी जो उनका उद्धार कर सके। गौतम बुद्ध के रूप में उन्हें वह महान व्यक्ति मिला। उसके बाद इन नागाओं ने बुद्ध की शिक्षा को सारे देश में फैलाया। इन नागाओं का कार्यस्थल नागपुर और उसके आसपास था। इसलिए नागपुर को चुना गया ना कि आरएसएस को शर्मिंदा करने के लिए।

क्या चंबल से कुछ सीखेगी दुनिया?

■ राजगोपाल पी.व्ही.

आज जब दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष की आग भड़कती दिखाई दे रही है—चाहे वह देशों के बीच चल रहे सैन्य टकराव हों या समाजों के भीतर गहराते वैचारिक विभाजन—ऐसे समय में शांति की बातें अक्सर आदर्शवादी लगती हैं, लेकिन इतिहास के कुछ उदाहरण हमें यह भरोसा देते हैं कि सबसे कठिन परिस्थितियों में भी संवाद और करुणा का रास्ता संभव है। चंबल घाटी का अनुभव ऐसा ही एक जीवंत उदाहरण है, जहां कभी बीहड़ों में बंदूकें कानून तय करती थीं, और 'बागी' शब्द भय का पर्याय था, वहीं 1972 में एक ऐसा परिवर्तन हुआ जिसने हिंसा की उस भूमि को शांति के प्रयोग में बदल दिया।

चंबल का नाम सुनते ही कभी धूल, घोड़ों की टाप और गोलियों की आवाजों से भरी एक दुनिया की छवि उभरती थी, जहां दशकों तक प्रतिशोध और भय का चक्र चलता रहा। लेकिन अप्रैल 1972 में जौरा (मुरैना) के गांधी सेवा आश्रम में जो हुआ, उसने इस छवि को हमेशा के लिए बदल दिया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में माधो सिंह और मोहर सिंह जैसे खूंखार बागियों ने जब अपने हथियार उनके चरणों में रखे, तो वह केवल कानून के सामने आत्मसमर्पण नहीं था, बल्कि एक विचारधारा का परिवर्तन था। गांधीवादी सिद्धांत — 'अपराध से घृणा करो, अपराधी से नहीं'— यहां व्यवहार में उतरा। यह घटना विश्व इतिहास के उन दुर्लभ क्षणों में से एक थी, जहां बिना किसी सैन्य दबाव के, केवल नैतिक प्रभाव और संवाद के माध्यम से सैकड़ों लोगों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया।

इस ऐतिहासिक प्रक्रिया के पीछे केवल एक नेतृत्व नहीं था, बल्कि कई समर्पित व्यक्तित्वों का सामूहिक प्रयास था, जिन्होंने वर्षों तक विश्वास का माहौल तैयार किया। डॉ. एस.एन. सुब्बा राव ने युवाओं और समाज के बीच शांति और संवाद की संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे बागियों के लिए आत्मसमर्पण केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक पुर्नस्थापन का मार्ग बन सका। इसी तरह राजगोपाल पी.वी. ने इस पूरे अनुभव को एक व्यापक सामाजिक दृष्टि से जोड़ा और इसे एक मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया, ताकि यह प्रयोग अन्य संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में भी प्रेरणा बन सके। वहीं डॉ. रन सिंह परमार जैसे स्थानीय कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर बागियों और समाज के बीच विश्वास कायम करने में सेतु की भूमिका निभाई, जो इस प्रक्रिया की सफलता के लिए बहुत ही जरूरी था।

आत्मसमर्पण के बाद असली परीक्षा शुरू हुई। वर्षों तक हिंसा के रास्ते पर चले लोगों को समाज में वापस स्वीकार करना आसान नहीं था। जिन परिवारों ने इन बागियों के कारण अपनों को खोया था, उनके मन में प्रतिशोध की भावना होना स्वाभाविक था। लेकिन चंबल ने यहां भी एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया— पीड़ितों ने बदले के बजाय क्षमा को चुना। यह केवल व्यक्तिगत उदारता नहीं थी, बल्कि एक सामाजिक परिपक्वता का संकेत था, जिसने यह दिखाया कि न्याय और करुणा एक साथ चल सकते हैं। यही वह क्षण था, जब चंबल ने दुनिया को यह सिखाया कि शांति केवल समझौते से नहीं, बल्कि मन के परिवर्तन से आती है।

चंबल का यह अनुभव समय और भूगोल की सीमाओं से परे जाकर आज भी प्रासंगिक है। केरल के कन्नूर जैसे क्षेत्रों में, जहां लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा का दौर चला, वहां भी संवाद आधारित पहल के माध्यम से हिंसा में कमी लाई गई। यह इस बात का प्रमाण है कि चंबल का मॉडल केवल एक क्षेत्रीय घटना नहीं, बल्कि एक सार्वभौमिक सिद्धांत को दर्शाता है—कि संवाद, विश्वास और मानवीय संवेदना किसी भी संघर्ष को सुलझाने की कुंजी हो सकते हैं।

चंबल में बागी आत्मसमर्पण की कहानी हमें यह सिखाती है कि संवेदनशीलता और संवाद के साथ किसी भी संघर्ष को रोका जा सकता है। आज जब दुनिया एक बार फिर संघर्षों के दौर से गुजर रही है, तब चंबल का यह अनुभव हमें यह याद दिलाता है कि शांति कोई दूर का सपना नहीं, बल्कि एक सच है—जिसे पाने के लिए हमें केवल संवाद, विश्वास और करुणा के रास्ते पर चलने का साहस करना होगा

आज आवश्यकता है कि चंबल की इस विरासत को केवल इतिहास की एक घटना के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे वर्तमान और भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में अपनाया जाए। जौरा का महात्मा गांधी सेवा आश्रम केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि शांति और संघर्ष समाधान की एक जीवंत प्रयोगशाला बन सकता है, जहां युवाओं को यह सिखाया जा सके कि साहस का अर्थ केवल लड़ना नहीं, बल्कि सही समय पर संवाद का रास्ता चुनना भी है।

बागी आत्मसमर्पण की 54वीं वर्षगांठ पर जौरा की पावन धरा से 'शांति और महिला' अभियान का शंखनाद किया जा रहा है। शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका सदैव निर्णायक रही है। इस अभियान के माध्यम से दुनिया भर की महिलाएं एकजुट होकर यह संदेश देंगी कि एक शांतिपूर्ण समाज का निर्माण घर की दहलीज से शुरू होता है। इतना ही नहीं, चंबल का यह अहिंसक प्रयोग अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी गूंज रहा है। अफ्रीका के देश बेनिन में आयोजित होने वाले 'विश्व शांति मंच' में चंबल के इस सफल प्रयोग पर चर्चा की जाएगी। यह गर्व का विषय है कि एक समय में पिछड़ा माना जाने वाला क्षेत्र आज विश्व शांति के लिए 'रोल मॉडल' बन रहा है। 'शांति और महिला' जैसे अभियान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

चंबल में बागी आत्मसमर्पण की कहानी हमें यह सिखाती है कि संवेदनशीलता और संवाद के साथ किसी भी संघर्ष को रोका जा सकता है। आज जब दुनिया एक बार फिर संघर्षों के दौर से गुजर रही है, तब चंबल का यह अनुभव हमें यह याद दिलाता है कि शांति कोई दूर का सपना नहीं, बल्कि एक सच है—जिसे पाने के लिए हमें केवल संवाद, विश्वास और करुणा के रास्ते पर चलने का साहस करना होगा, और यही बात आज के वैश्विक नेताओं को समझनी होगी।

(लेखक विख्यात गांधीवादी एवं एकता परिषद के संस्थापक हैं)

आपके पत्र

शांति वार्ता तार-तार, राष्ट्र प्रमुखों की जिद्द और आसन्न परमाणु युद्ध

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच शांति वार्ता के विफल होने पर वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहां कूटनीति की भाषा कमजोर और शक्ति-प्रदर्शन की भाषा प्रबल होती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव विशेष रूप से अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच, विश्व को एक संभावित महायुद्ध यहां तक कि परमाणु युद्ध की आशंका की ओर धकेल रहा है। इस संपूर्ण घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां और उनके निर्णय भी चर्चा के केंद्र में हैं, जिन्हें लेकर विश्व स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णय पर अमेरिका के नागरिक उनके संसद सदस्य और वैश्विक देश के नेताओं द्वारा भी अविश्वास प्रकट किया जा रहा है उनकी मानसिक स्थिति पर भी अब सवालिया निशान लगने लगे हैं।

ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो शांति वार्ताओं का उद्देश्य सदैव संघर्ष को समाप्त कर स्थिरता स्थापित करना होता है, किंतु हालिया प्रयासों में यह उद्देश्य बिखरता हुआ प्रतीत हो रहा है। जब मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान जैसे कमजोर, आतंकवादी और अपरिपक्व मानसिकता वाले देश को आगे किया गया, तब ही कई कूटनीतिक विश्लेषकों ने इसकी निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया था। किसी भी शांति प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मध्यस्थ देश निष्पक्ष, विश्वनीय और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य हो। यदि मध्यस्थ ही अपने रणनीतिक हितों में उलझा हो, तो वार्ता का मार्ग स्वत: ही संदिग्ध हो जाता है।

अमेरिका और इजरायल का दृष्टिकोण ईरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर केंद्रित रहा है, जबकि ईरान अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकारों का सदैव पक्षकार रहा है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांति और ऊर्जा के उद्देश्य से है, परंतु पश्चिमी देशों को इसमें संभावित सैन्य उपयोग की आशंका दिखाई देती है। यही अविश्वास शांति वार्ता को बार-बार विफल करता रहा है।

अमेरिका द्वारा ईरान के प्रस्तावों को अस्वीकार करना इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद की खाई गहरी होती जा रही है। इज़रायल, जो पहले से ही ईरान को कई वर्षों से अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है, और उसके लिए यह लड़ाई अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भी है और वह किसी भी प्रकार के समझौते को लेकर अत्यंत सावधान और अतिरिक्त सतर्क है। ऐसे में जब तीनों शक्तियां अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक अड़े हुए और अडिग हों, तो शांति का मार्ग और भी नामुमकिन सा होता दिखाई देता है।

यदि यह तनाव आगे बढ़कर जैसा की युद्ध विश्लेषक आशंका जाता रहे हैं परमाणु संघर्ष में परिवर्तित होता है, तो इसके परिणाम न केवल अत्यंत भयानक तथा विनाशक होने की संभावना होगी बल्कि युद्ध क्षेत्र भी सीमित नहीं रहेंगे, पूरी दुनिया इसकी जद और बड़े प्रभाव में आ जाएगी। सबसे पहले असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। तेल उत्पादक क्षेत्र होने के कारण पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा, जिससे महंगाई वैश्विक स्तर पर बेकाबू हो जाएगी। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, जहां पहले से ही आम जनता महंगाई के दबाव से जूझ रही है।

-संजीव ठाकुर

ललित सुरजन की कलम से

सेंसरशिप: प्लेटो से अब तक

यह कहना एक स्थापित सत्य को दोहराना ही होगा कि जनतंत्र की पहिली शर्त अभिव्यक्ति की आजादी है। एक जनतांत्रिक समाज में ही नाना विचारों का प्रस्फुटन और असहमति का आदर संभव है। ऐसे में जब कोई एक समूह या समुदाय किसी कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रति अपना विरोध दर्ज करने के लिए सड़कों पर उतर आता है तो वह सीधे-सीधे जनतंत्र की मूल भावना पर ही आक्रमण करता है। इसके अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं। पुस्तकों को जलाना, लाइब्रेरी में तोडफ़ोड़ करना, लेखक-विचारक-शिल्पी के खिलाफ फतवा जारी करना, उसके साथ मारपीट, यहां तक कि उसकी हत्या करना, मूर्तियों को खंडित करना, मस्जिद को ढहाना, नाटक का प्रदर्शन बीच में रोक देना, सिनेमाघर में फिल्म न चलने देना, प्रकाशकों-आयोजकों को व्यापार करने से रोकना, कलाकारों को देश छोडऩे पर मजबूर करना, सामान्य कानूनी कार्रवाई करने के बजाय परेशान करने के लिए मुकदमेबाजी करना जैसी घटनाएं भारत में आम हो गई हैं। इनके चलते जनतंत्र, भेड़तंत्र, भीड़तंत्र अथवा जंगलतंत्र में तब्दील हो जाता है।

(अक्षर पर्व अप्रैल 2015 अंक की प्रस्तावना)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/04/blog-post_7.html

आज जयंती

समानता और न्याय के महानायक डॉ. भीमराव

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर आधुनिक भारत के उन महान निर्माताओं में से हैं, जिन्होंने अपने अद्वितीय ज्ञान, संघर्ष और दूरदृष्टि से देश की नींव को मजबूत किया। वे स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री और भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार थे, जिन्होंने एक ऐसे संविधान की रचना की, जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है।

डॉ. अंबेडकर का जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और मानवाधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों से समाज के वंचित और शोषित वर्गों को नई दिशा और आत्मसम्मान प्रदान किया। इस लेख के माध्यम से हम उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और उनके द्वारा दिए गए अमूल्य संदेशों पर प्रकाश डाल रहे हैं।

बाबा साहेब के तीन मूलमंत्र थे- शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' — समाज में परिवर्तन का सशक्त मार्ग दिखाते हैं। उनका मानना था कि शिक्षा से व्यक्ति जागरूक और आत्मनिर्भर बनता है, संगठन से एकता और शक्ति मिलती है, तथा संघर्ष से अन्याय और भेदभाव के खिलाफ अधिकार प्राप्त किए जा सकते हैं। इन सिद्धांतों के माध्यम से उन्होंने दलितों और शोषित वर्गों को समानता, सम्मान और न्याय के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो इसे पियेगा वो दहाड़ेगा: यह कथन शिक्षा की शक्ति और उसके प्रभाव को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करता है। बाबा साहेब का मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अधिकारों की समझ विकसित करने का सबसे सशक्त साधन है। जो व्यक्ति या समाज शिक्षा को अपनाता है, वह अन्याय और भेदभाव के विरुद्ध मजबूती से खड़ा हो सकता है। शिक्षा मनुष्य को निर्भीक, जागरूक और सशक्त बनाती है।

बाबा साहेब का मानना था कि केवल लंबे समय तक जीना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उस जीवन का समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए कितना योगदान रहा— यह अधिक महत्वपूर्ण है। महान जीवन वही है जो संघर्ष, ईमानदारी और परिश्रम से भरा हो तथा दूसरों के लिए प्रेरणा बने।

'मैं किसी कौम की उन्नति को उस कौम की स्त्रियों की उन्नति से मापता हूं' यह कथन समाज में महिलाओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताता है। बाबा साहेब का मानना था कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब उसकी महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त हों। महिलाएं ही परिवार और समाज की आधारशिला होती हैं, इसलिए उनका सशक्त होना पूरे समाज को सशक्त बनाता है।

- हेमंत खुटे

राज्यस्तरीय सब. जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता मे सागर के खिलाड़ियों ने जीते 6 पदक

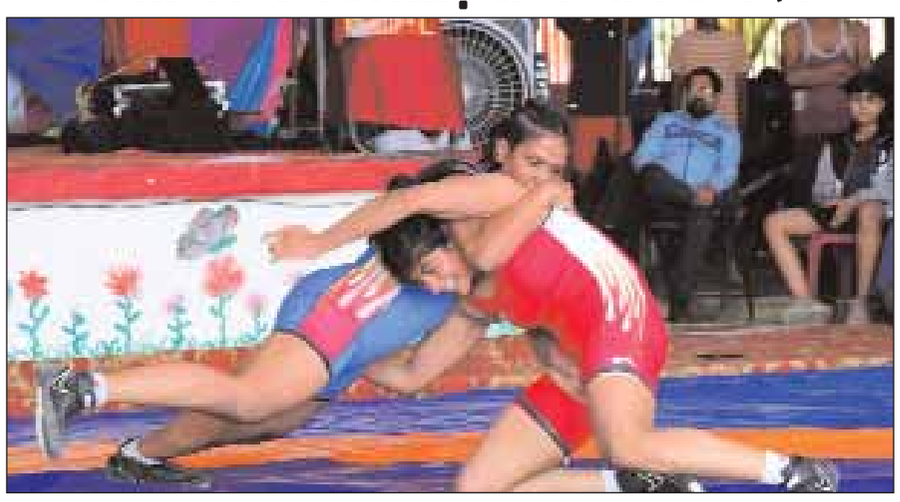

सागर, देशबन्धु। सागर जिला कुश्ती संघ के तत्वावधान में आयोजित राज्यस्तरीय सब.जूनियर बालक फ्रीस्टाइल एवं ग्रीको-रोमन कुश्ती प्रतियोगिता का सफल समापन रजाखेड़ी में हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन बीपीसीएल बीना रिफाइनरी के सहयोग से किया गया, जिसमें प्रदेशभर से आये खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का संचालन ओलंपियन पप्पू यादव अर्जुन अवार्डी के मार्गदर्शन में हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत वरिष्ठ गुरुजनों नंदू उस्ताद, शंकर खलीफा एवं बदन पहलवान द्वारा अखाड़ा पूजन के साथ की गई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनिल तिवारी सहित बीपीसीएल प्रबंधन के अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष आनंद विश्वकर्मा, रामेश्वर चौबे, राजेश्वर सेन, केदार शर्मा सहित अनेक पदाधिकारियों, निर्णायकों एवं स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंच संचालन मनीष यादव ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में नपा मकरोनिया, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रदेशभर से आये खिलाड़ी, कोच एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

फ्रीस्टाइल वर्ग के विजेता

बालक फ्रीस्टाइल वर्ग में विभिन्न भार वर्गों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 41 किलो में भावेश तंवर खंडवा, 45 किलो में श्लोक प्रजापत इंदौर, 51 किलो में आनंद यादव इंदौर, 55 किलो में तुषांत जाधव इंदौर, 60 किलो में अली पठान इंदौर, 65 किलो में नैतिक कुमार इंदौर, 71 किलो में कार्तिक खरे नीमच, 80 किलो में वेदस लोधी इंदौर, 92 किलो में रोना यादव भिंड एवं 110 किलो में मो. सईद इंदौर विजेता रहे।

ग्रीको-रोमन वर्ग के विजेता

ग्रीको-रोमन शैली में 45 किलो में साहिल बेन जबलपुर, 48 किलो में रोहित बागरी उज्जैन, 51 किलो में गगन ग्वाला भोपाल, 55 किलो में अखिल श्रीपाल जबलपुर, 60 किलो में हितेश कुशवाह इंदौर, 65 किलो में अमन उज्जैन, 71 किलो में पृथ्वीराज उज्जैन, 80 किलो में रुद्राक्ष पटोना उज्जैन, 92 किलो में देवेश यादव जबलपुर एवं 110 किलो में पार्थ यादव खंडवा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

बालिका वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन

बालिका वर्ग में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुये स्वर्ण पदक अपने नाम किये। 40 किलो में सृष्टि सेव जबलपुर, 43 किलो में भूमि भोपाल, 46 किलो में सृष्टि चौधरी जबलपुर, 49 किलो में प्राची जोशी इंदौर, 53 किलो में अनीशा नायक इंदौर, 57 किलो में सुखमन कौर श्योपुर, 61 किलो में निशा माली भोपाल, 65 किलो में अनुष्का धार, 69 किलो में जयंती वर्मा खंडवा और 73 किलो में श्रेया इंदौर प्रथम रहीं।

सागर जिले को मिले 6 पदक

इस प्रतियोगिता में सागर जिले के खिलाड़ियों ने कुल 6 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। इनमें 4 रजत सिल्वर एवं 2 कांस्य ब्रॉन्ज पदक शामिल हैं। रजत पदक विजेताओं में धनंजय 51 कि. ग्रीको-रोमन, शोजल यादव 55 कि., हेमंत यादव 60 कि. एवं हर्षिता 57 कि. बालिका वर्गद्ध शामिल रहे। वहीं कांस्य पदक भरत पटेल 65 कि. एवं संस्कार परिहार 60 कि. फ्रीस्टाइल ने हासिल किये।

नवागत कलेक्टर प्रतिभा पाल ने किया कार्यभार ग्रहण

सागर, देशबन्धु। नवागत कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर आवश्यक दिशा दिये। कलेक्टर पाल ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुये जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये तथा समय सीमा में कार्यों का निराकरण किया जाये।

समय-सीमा बैठक में आवश्यक रूप से मौजूद रहें

सभी विभाग अधिकारी समय सीमा में विभाग में आने वाले व्यक्तियों के कार्य पूर्ण करें एवं आवश्यक रूप से सभी अधिकारी समय सीमा बैठक में उपस्थित रहें एवं शासन की लोक हितकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान करें। उक्त निर्देश नवागत कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समय सीमा बैठक में जिला अधिकारियों का परिचय लेते हुये दिये। इस अवसर पर समस्त विभाग अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित विभागों, शाखाओं का किया निरीक्षण

प्रतिभा पाल ने कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही प्रशासनिक कसावट लाने उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित विभिन्न विभागों और शाखाओं का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा शासकीय कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कार्यालयों में वर्षों से लंबित पुरानी नस्तियों के त्वरित डिस्पोजल के निर्देश दिये ताकि रिकॉर्ड रूम को व्यवस्थित किया जा सके। कलेक्ट्रेट परिसर के भीतर स्थित लगभग सभी महत्वपूर्ण अनुभागों का जायजा लिया, जिनमें मुख्य रूप से शामिल ई.डिस्ट्रिक्ट, नाजरात शाखा, स्थानीय निर्वाचन, जनगणना प्रकोष्ठ, भू.अभिलेख, वेब जीआईएस, लैंड रिकॉर्ड, जनसुनवाई, शस्त्र लाइसेंस शाखा, पर्यटन एवं ट्राइबल विभाग सहित क्रेच रुम का निरीक्षण किया। जनगणना प्रकोष्ठ के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्य की महत्ता को देखते हुये निर्देश दिये कि इस कार्य हेतु टीम में अनुभवी व्यक्तियों की संख्या बढ़ाई जाये। जनगणना का कार्य शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अक्षरश: पालन करते हुये पूर्ण परिशुद्धता के साथ संपन्न कराया जाये।

पाइपलाइन क्षतिग्रस्त, वार्डवासियों ने किया प्रदर्शन

बीना, देशबन्धु। नगर पालिका की लापरवाही के कारण वृंदावन धाम और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के निवासी पिछले चार दिनों से गंदे पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। सोमवार को गांधी वार्ड पार्षद भारती राय के नेतृत्व में आक्रोशित वार्डवासी बाल्टियों और बोतलों में गंदा पानी लेकर नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और जमकर प्रदर्शन किया। यह समस्या नपा द्वारा वृंदावन धाम और पुष्प विहार कॉलोनी के बीच नाले के निर्माण के दौरान उत्पन्न हुई। खुदाई के दौरान ठेकेदार के कर्मचारियों ने पानी की मुख्य पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिसके कारण कॉलोनी में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। पाइपलाइन को जोड़ने के बाद भी नलों से लगातार गंदा पानी आ रहा है, जिससे लोगों को पीने और दैनिक उपयोग के लिये अन्य स्त्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। जब लगातार 4 दिनों से पानी के लिये लोग परेशान हो रहे थे तो गांधी वार्ड पार्षद भारती राय लोगों के साथ सोमवार को नगर पालिका पहुंच गई और उन्होंने जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। पार्षद ने कहा कि पाइप लाइन को नाली से अलग किया जाये। चार दिन लोग पानी के लिये परेशान हो रहे हैं, कोई सुनने वाला तक नहीं है। ऐसे में मजबूरी में नपा आना पड़ा। नपा की महिला इंजीनियर वार्डवासियों के साथ अभद्र व्यवहार कर रही हैं। प्रदर्शन की जानकारी लगते ही सीएमओ राहुल कौरव मौके पर पहुंचे। सीएमओ ने पार्षद सहित वार्डवासियों की समस्या सुनकर, जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की बात कही। कॉलोनी में रहने वाले निवासियो ने बताया कि नलों से आने वाले पानी में कीचड़ आया, करीब 10 से 15 मिनट तक गंदे पानी के साथ कीचड़ आता रहा। जिससे घरों की किचन में नाली के गंदे पानी के साथ कीचड़ में पहुंच गया। जिसके कारण बर्तन भी गंदे हो गये। पीने लायक नहीं था, मटमेला और बदबूदार था। तीन दिनों से पानी के लिये परेशान हो रहे हैं। टैंकर बुलवाकर काम चला रहे हैं, कोई सुनने वाला नहीं है। ऐसे ठेकेदार पर कार्यवाही होना चाहिये। बीना सीएमओ राहुल कौरव ने बताया कि हमारी दो टीमें काम कर रही हैं। रात तक उम्मीद है कि समस्या का समाधान किया जायेगा। इसे बाद गंदे पानी की शिकायत दूर हो जायेगी।

निगमाध्यक्ष ने संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा

सागर, देशबन्धु। निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने संभागायुक्त अनिल सुचारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि संविधान निर्माता डॉ बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय समारोह एवं हितग्राही सम्मेलन में अनु. जाति एवं अनु. जनजाति के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जावे। निगमाध्यक्ष ने संभागायुक्त को दिये गये ज्ञापन में लेख किया है कि शासन निर्देशानुसार भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय समारोह एवं हितग्राही सम्मेलन का आयोजन पद्माकर सभागार मोतीनगर में किया जा रहा हैं, मप्र सामान्य प्रशासन मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 05-05/2026/1/4 भोपाल 8 अप्रैल 2026 में स्पष्ट निर्देश हैं, कि इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाये। परन्तु इस कार्यक्रम में प्रभारी कलेक्टर केवी विवेक सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी द्वारा स्थानीय अनु. जाति एवं अनु. जनजाति वर्ग के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किया गया एवं इस समस्त कार्यक्रम से इस वर्ग के जनप्रतिनिधियों को दूर रखा जा रहा है। जिलास्तरीय समारोह एवं हितग्राही सम्मेलन में अनु. जाति एवं अनु. जनजाति वर्ग के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित न किये जाने वाले दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

अनुप्रयुक्त भूविज्ञान विभाग के 5 छात्रों का माइनिंग ऑफिसर पद पर चयन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के अनुप्रयुक्त भूविज्ञान विभाग ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जहां इसके पांच एमटेक छात्रों का चयन मप्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से प्रतिष्ठित माइनिंग ऑफिसर पद के लिये हुआ है। माइनिंग ऑफिसर परीक्षा 2024 के लिये 16 मार्च को जारी आधिकारिक चयन सूची मुख्य सूची के अनुसार विभाग के कई उम्मीदवारों ने मप्र शासन के खनिज संसाधन विभाग में माइनिंग ऑफिसर के रूप में सफलता प्राप्त की। मुख्य चयन सूची में शामिल उम्मीदवारों में आशुतोष गौतम, ऋतु पटेल, रोहित वर्मा, संजीत कुमार धुर्वे और यामिनी उइके शामिल हैं। कुलपति प्रो. वाईएस ठाकुर, विभागाध्यक्ष प्रो. एके सिंह सहित सभी संकाय सदस्यों ने छात्रों की सफलता पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि ऐसी उपलब्धियां विभाग की प्रतिष्ठा को देश में भूविज्ञान शिक्षा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में और सुदृढ़ करती हैं।

रिफाइनरी में स्थानीय युवाओं को रोजगार, श्रमिकों की समस्याओं के निराकरण को लेकर पार्षद ने किया धरना प्रदर्शन शुरू

बीना, देशबन्धु। रिफाइनरी में स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिलने और श्रमिकों की समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर नानक वार्ड पार्षद बीडी रजक ने सोमवार को धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस द्वारा रिफाइनरी के गेट नंबर एक पर जाने से रोके जाने के बाद उन्होंने रिफाइनरी के पास ही अन्न जल त्यागकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। पार्षद रजक ने बताया कि यह धरना प्रदर्शन पूर्व निर्धारित कायक्रम के अनुसार किया जा रहा है। वे अपने साथियों के साथ रिफाइनरी से जुड़ी समस्याओं को लेकर गेट नंबर एक पर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से रिफाइनरी के पास ही धरना देना शुरू कर दिया। रजक ने आरोप लगाया कि रिफाइनरी में कार्यरत कंपनियों द्वारा स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं के लिए अन्न और जल का त्याग कर यह धरना दिया है। उन्होंने श्रमिकों से जुड़ी कई समस्याओं का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार श्रमिकों को समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा, श्रमिकों के भविष्य निधि पीएफ और कर्मचारी राज्य बीमा ईएसआई का भुगतान भी लंबित है। श्रमिकों से 8 घंटे के बजाय 12 घंटे काम कराया जा रहा है और उन्हें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी के अनुसार भुगतान नहीं मिल रहा है। पार्षद ने बताया कि स्थानीय युवाओं के कौशल विकास के लिये कोई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित नहीं किया गया है। बाहरी कंपनियों द्वारा रिफाइनरी के प्रतिबंधित क्षेत्र में अतिक्रमण किया गया है, जो सुरक्षा मानकों और वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। साथ ही ह्यूमन रिसोर्सेस विभाग के अधिकारियों पर कर्तव्यों में अनियमितता का आरोप लगाया। सीएसआर कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी राशि के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। रजक ने कहा कि रिफाइनरी कंपनी को स्थानीय क्षेत्र और ग्रामीण विकास हेतु निधि का उपयोग करना अनिवार्य है, लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा इस राशि का समुचित और पारदर्शी उपयोग नहीं किया जा रहा है। न तो स्थानीय नगर क्षेत्र में और न ही ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षित विकास कार्य कराये गये हैं, जो कि सीएसआर नीति और कंपनी अधिनियम के विपरीत है।

अक्षय तृतीया पर क्षत्रिय महासभा के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 21 कन्याओं का होगा विवाह

कन्याओं का विवाह यज्ञ के समान: भूपेन्द्र सिंह

सागर, देशबन्धु। क्षत्रिय महासभा जिला सागर के तत्वावधान में रुद्राक्ष धाम मंदिर प्रांगण सागर से क्षत्रिय समाज की 21 कन्याओं का कन्यादान सामूहिक विवाह समारोह 20 अप्रैल अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर किया जायेगा। जिले में क्षत्रिय समाज का सामूहिक विवाह का यह पहला आयोजन है जिसकी पहल आज के समय की बड़ी आवश्यकता थी। यह उद्गार पूर्व मंत्री खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने क्षत्रिय महासभा जिला सागर की बैठक को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। इस बैठक में आयोजन समिति ने सामूहिक विवाह हेतु आये सभी आवेदनों और संलग्न दस्तावेजों का पारदर्शिता से परीक्षण किया और सभी आवेदन स्वीकृत किये। भूपेन्द्र सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि 15 मार्च को ठाकुर बाबा मंदिर जरुआखेड़ा में आयोजित बैठक के दौरान ईश्वरीय प्रेरणा से क्षत्रिय समाज की कन्याओं के सामूहिक विवाह का विचार मन में आया जिसे बैठक में मैंने रखा। उपस्थित संरक्षक मंडल और समाज के गणमान्यों ने इस प्रस्ताव को उत्साहपूर्वक स्वीकार किया और सभी ने इस आयोजन के लिये एकजुटता से तैयारियां आरंभ की। कन्यादान और कन्याओं का विवाह एक यज्ञ की भांति पुण्य कार्य है। इस आयोजन के लिये लगभग 40 लाख का व्यय क्षत्रिय महासभा द्वारा किया जायेगा। यह राशि क्षत्रिय महासभा के सदस्य परिवारों के सामूहिक योगदान से एकत्रित की जा रही है। आज दिनांक तक 31,60,454 रुपये की सहयोग राशि और सामग्री एकत्रित की जा चुकी है और सहयोग राशि की घोषणा करने वाले शेष सदस्य भी अपनी सहयोग राशि शीघ्र जमा कर रहे हैं। उन्होंने समाज के सभी गणमान्यों से अनुरोध किया कि सभी अपनी ओर से यथायोग्य भेंट देकर वर वधु के पांव पखारने की रस्म निभायें। बैठक में क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष लखन सिंह, जगदीश सिंह पाटई, राजेंद्र सिंह दरी, लोकेंद्र सिंह, बलवंत सिंह कर्रापुर, इंद सिंह बीना, रविंद्र सिंह पटना, इंद्राज सिंह कर्रापुर आदि उपस्थित रहे। संचालन अभिषेक सिंह गौर ने किया और आभार प्रदर्शन राजबहादुर सिंह ने किया।

पद्माकर सभागार में गूंजा नारी शक्ति वंदन, महिलाओं ने लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

सागर, देशबन्धु। शहर के पद्माकर सभागार में सोमवार को नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षाविदों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन से प्रसारित प्रधानमंत्री के संबोधन को लाइव सुना गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुये सांसद लता बानखेड़े ने कहा कि आज महिलायें हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और देश की रक्षा तक में अपनी भागीदारी निभा रही हैं। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के साथ बेटी बढ़ाओ के संदेश को साकार होते बताया। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने उज्ज्वला योजना, जीरो एफआईआर, मिशन इंद्रधनुष और पोषण आहार जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुये कहा कि ये पहल महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में नारी शक्ति की अहम भूमिका पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे।

विवि में माइक्रोस्कोपी पर तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में उन्नत अनुसंधान केंद्र के द्वारा कन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी सीएलएसएम पर तीन दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्नत अनुसंधान केंद्र की मुख्य समन्वयक प्रो. श्वेता यादव की पहल पर सीएआर में उपलब्ध विभिन्न परिष्कृत उपकरणों पर कार्यशालाओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। डॉ. विवेक कुमार पांडे प्रभारी सीएआर ने केंद्र के संक्षिप्त परिचय के साथ सत्र की शुरुआत की और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. प्रियोनील बासु ने बताया कि पारंपरिक लाइट माइक्रोस्कोप की तुलना में सीएलएसएम, लेजर लाइट और पिनहोल का उपयोग करके केवल एक बिंदु पर फोकस करता है और सैम्पल की लेयर बाय लेयर इमेज कैप्चर करता है। इससे शोधकर्ताओं को सैम्पल की थ्री.डायमेंशनल इमेजेस मिल पाती हैं। लाइव सेल इमेजिंग और टिश्यूज की स्टडी करते समय शोधकर्ताओं को सैम्पल के अंदर की बायो केमिकल क्रियाओं जैसे प्रोटीन लोकलाइजेशन और जीन एक्सप्रेशन को वास्तविक समय में देखने की सुविधा प्रदान करता है। सीएलएसएम का प्रयोग मटेरियल साइंस में नैनोमैटेरियल्स, कोटिंग्स और थिन फिल्मस् आदि का विश्लेषण करने के लिये किया जा सकता है। इस तकनीक के माध्यम से शोधकर्ता सैम्पल की सतह परिष्करण, दोष और लेयर्स का विश्लेषण कर सकते हैं। हैंड्स ऑन सत्र शिवप्रकाश सोलंकी द्वारा सीएलएसएम के हार्डवेयर भाग और इसके सहायक उपकरणों के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू हुआ। विभिन्न पृष्ठभूमियों के सैम्पल विश्लेषण करने पर विशेष जोर दिया। प्रतिभागियों को सैम्पल तैयार करने, उसके विश्लेषण से लेकर डेटा व्याख्या तक की पूरी जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी को सीएलएसएम माइक्रोस्कोप को स्वयं चलाने का मौका दिया गया। डॉ. बासु ने प्रतिभागियों की रुचि के क्षेत्र से संबंधित प्रश्नों पर विचार किया एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों से कार्यशाला के बारे में प्रतिक्रियायें ली गई।

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO - 14853309P RANK HAV NAME NIKAM NILESH KRISHNA PRESENTLY RESIDING AT CHIMANGAON, SATARA, MAHARASHTRA, 415501. PRESENTLY WORKING AT 372 COY ASC (SUP) TYPE 'A' I DECLARE THAT MY FATHER IS TRUE AND CORRECT NAME KISAN BAPU NIKAM, THE SAME NAME MENTIONED IN HIS AADHAAR CARD BEARING, BUT IN MY ARMY SHEET ROLL/ARM SERVICE RECORD MY FATHER NAME MENTIONED AS NIKAM KRISHNA BAPU, INSTEAD OF MENTIONING AS KISAN BAPU NIKAM VIDE AFFIDAVIT DATED 04/04/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO - 14853309P RANK HAV NAME NIKAM NILESH KRISHNA PRESENTLY RESIDING AT CHIMANGAON, SATARA, MAHARASHTRA, 415501. PRESENTLY WORKING AT 372 COY ASC (SUP) TYPE 'A' I DECLARE THAT MY MOTHER IS TRUE AND CORRECT NAME NANDA KISAN NIKAM, THE SAME NAME MENTIONED IN HER AADHAAR CARD BEARING, BUT IN MY ARMY SHEET ROLL/ARM SERVICE RECORD MY MOTHER NAME MENTIONED AS NIKAM NANDA KRISHNA, INSTEAD OF MENTIONING AS NANDA KISAN NIKAM. VIDE AFFIDAVIT DATED 04/04/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

50 हजार की रिश्वत लेते रेंजर और बाबू पकड़ाये

सागर, देशबन्धु। बंडा वन परिक्षेत्र में सोमवार को लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। टीम ने बंडा रेंजर विकास सेठ और कार्यालय के बाबू जयप्रकाश तिवारी को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपियों ने फरियादी से उसके खेत की लकड़ी बेचने के लिये आवश्यक ट्रांजिट परमिट और सत्यापन के बदले एक लाख रुपये की मांग की थी। जानकारी के अनुसार मकरोनिया क्षेत्र के ज्योति नगर निवासी फरियादी विजय सिंह राजपूत ने लोकायुक्त एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। विजय सिंह ने बताया कि उनके निजी खेत में लगे पेड़ों की कटाई, लकड़ी के परिवहन और डिपो में बेचने के लिये टीपी जारी करने के एवज में रेंजर और बाबू उन्हें परेशान कर रहे थे। दोनों ने मिलकर 1 लाख रुपये की डील की थी, जिसमें से 40 हजार रुपये आरोपी पहले ही डकार चुके थे। शिकायत की पुष्टि होने के बाद सोमवार को लोकायुक्त टीम ने ट्रैप दल गठित किया। योजना के मुताबिक फरियादी विजय सिंह को 50 हजार रुपये की अगली किस्त लेकर रेंजर कार्यालय भेजा गया। जैसे ही बाबू जयप्रकाश तिवारी और रेंजर विकास सेठ ने रिश्वत की राशि ली, टीम ने दबिश देकर दोनों को धर दबोचा। कार्यवाही के दौरान आरोपियों के हाथ धुलवाये गये, तो वे गुलाबी हो गये, जो रिश्वत लेने का पुख्ता प्रमाण है। लोकायुक्त निरीक्षक रंजीत सिंह ने बताया कि रेंजर विकास सेठ और बाबू जयप्रकाश तिवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल टीम विभाग के अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।

> टीपी और सत्यापन के नाम पर 1 लाख की रिश्वत मांगी गई थी। 40 हजार पहले लिये जा चुके थे, आज दूसरी किस्त के 50 हजार रुपये लेते हुये रेंजर और बाबू को पकड़ा गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।
>
> **-रंजीत सिंह, निरीक्षक, लोकायुक्त सागर**

सार समाचार

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का शुभारंभ

टीकमगढ़, देशबन्धु। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय टीकमगढ़ में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत प्रथम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण महाविद्यालय परिसर में किया गया, जिसे छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्टाफ ने उत्साहपूर्वक देखा।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और उपस्थितजनों में नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके योगदान के महत्व को रेखांकित करना रहा। आयोजन के दौरान छात्र-छात्राओं ने महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। महाविद्यालय प्रशासन ने इस अवसर पर सामाजिक चेतना, समानता और सकारात्मक सोच विकसित करने पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. आर.पी. शांडिल्य ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों और स्टाफ को नारी शक्ति के सम्मान तथा उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी और सम्मान अत्यंत आवश्यक है।

मोक्ष कल्याणक दिवस पर हाथियों संग निकला गजरथ महोत्सव

टीकमगढ़, देशबन्धु। अतिशय क्षेत्र पपौरा जी में आयोजित भव्य पंचकल्याणक महोत्सव के छठे दिन मोक्ष कल्याणक दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। पूरे परिसर में धर्ममय वातावरण छाया रहा और हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालु भक्ति में लीन दिखाई दिए। मंदिर परिसर जय जिनेंद्र के जयघोष और धार्मिक मंगल ध्वनियों से गूंजता रहा, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष नरेंद्र जनता ने जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर के समय आयोजित गजरथ महोत्सव इस दिन का मुख्य आकर्षण रहा। इस अवसर पर सुसज्जित हाथियों द्वारा भगवान के रथ को भव्य रूप से विराजित कर सात दिव्य परिक्रमा कराई गई। मोक्ष कल्याणक का कार्यक्रम अत्यंत भाव-विभोर वातावरण में सम्पन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों और मंगल विधानों के बीच उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे रहे। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए महाराज ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है, इसलिए इसे व्यर्थ न गंवाते हुए सभी जीवों के प्रति मैत्री, करुणा और सद्भाव का भाव रखना चाहिए। उन्होंने राग-द्वेष का त्याग कर आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। साथ ही बुंदेलखंड की पावन भूमि को पुण्यभूमि बताते हुए समाज में प्रेम, सौहार्द और वत्सलता बढ़ाने का संदेश दिया।

सड़क निर्माण में खेल या खुली लापरवाही? पीडब्ल्यूडी पर गंभीर आरोप

अधिकारियों-ठेकेदार के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग

- कलेक्टर से की घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायत

अंकुर अध्वर्यु

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत निर्मित सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर एक गंभीर शिकायत सामने आई है, जिसने विभागीय कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। नीमखेड़ा निवासी राजेन्द्र यादव द्वारा कलेक्टर टीकमगढ़ को सौंपे गए लिखित आवेदन में आरोप लगाया गया है कि विभाग के अंतर्गत आने वाले कई मार्ग निर्माण के कुछ ही समय बाद क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इन सड़कों की वास्तविक स्थिति दर्शाने वाले फोटोग्राफ भी आवेदन के साथ संलग्न किए गए हैं।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान संबंधित ठेकेदार ने तत्कालीन विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से मानकों की खुली अनदेखी की। शिकायतकर्ता के अनुसार निर्माण कार्य में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया तथा निर्धारित मात्रा से कम डामर डालकर कार्य को पूरा दिखा दिया गया। इसी कारण सड़कें समय से पहले उखड़ने लगीं और अब उनकी हालत बेहद खराब हो चुकी है। आवेदन में तत्कालीन कार्यपालन यंत्री आर.के. शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी पी.के. जैन तथा तत्कालीन उपयंत्री आलोक खरे के नामों का उल्लेख करते हुए निर्माण कार्य में मिलीभगत और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वर्तमान में इन मार्गों की देखरेख और मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों पर है, इसके बावजूद अब तक न तो सड़क की मरम्मत कराई गई और न ही जिम्मेदार ठेकेदारों तथा अधिकारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की गई है। इस स्थिति से क्षेत्रवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और लोगों का कहना है कि खराब सड़कें दुर्घटनाओं को भी आमंत्रण दे रही हैं।

कलेक्टर को दिए गए आवेदन में शिकायतकर्ता ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित मार्गों की तत्काल मरम्मत के आदेश जारी किए जाएं तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह मामला अब केवल सड़क निर्माण की गुणवत्ता का नहीं, बल्कि सरकारी धन के उपयोग और जनहित से जुड़ा बड़ा मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो यह लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करेगा।

कॉम्बिंग गश्त में 451 वारंट-समंस तामील, 192 बदमाश पुलिस की निगरानी में आए

- पुलिस अधीक्षक की सख्ती, 2 दिन में अपराधियों पर कसा शिकंजा

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से 11 से 12 अप्रैल तक पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में दो दिवसीय विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के दौरान जिले के सभी 14 थाना क्षेत्रों और 9 पुलिस चौकियों में सघन गश्त, चेकिंग और निगरानी की गई, जिससे अपराधियों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। पुलिस अभियान के दौरान कुल 451 वारंट और समंस तामील किए गए, जिनमें 39 गिरफ्तारी वारंट, 13 स्थायी वारंट, 164 जमानती वारंट और 235 समंस शामिल रहे। वहीं 192 बदमाशों को पुलिस ने रडार पर लेते हुए उनकी गतिविधियों की गहन जांच की। इनमें 70 हिस्ट्रीशीटर, 114 निगरानी बदमाश और 8 जेल से रिहा अपराधी शामिल हैं।

अभियान के दौरान अवैध गतिविधियों पर भी सख्त कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिनियम के तहत 51 प्रकरण दर्ज किए गए। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 368 वाहनों की जांच की गई, जिनमें 88 वाहनों पर चालानी कार्रवाई कर 25,800 रुपये समन शुल्क वसूला गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

4 सौ से ज्यादा गावों में पेयजल आपूर्ति के लिए धसान और जामनी नदी का सर्वेक्षण

टीकमगढ़, देशबन्धु। बल्देवगढ़, जतारा एवं पलेरा विकासखण्ड के 413 ग्रामों में सतही जल स्रोतों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में शासन की गठित समिति ने धसान और जामनी नदी का सर्वेक्षण किया। यह सर्वेक्षण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत एनीकट, स्टॉप डेम एवं वियर निर्माण के लिए उपयुक्त स्थलों के चयन हेतु किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार धसान नदी पर पलेरा विकासखण्ड के ग्राम गोना, पडुआ, दांतगोरा एवं भानपुर के समीप चार स्थलों का चिन्हांकन किया गया है, जहां लगभग 1.5 से 2.0 एमसीएम क्षमता के स्टॉप डेम निर्माण की संभावना पाई गई है। समिति ने बताया कि इन संरचनाओं को बानसुजारा बांध परियोजना से जल उपलब्धता के अनुसार पुनः भरा जा सकेगा, जिससे वर्षभर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

जिले के लिए प्रस्तावित इस योजना के तहत कुल 55 एमसीएम जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार योजना की डीपीआर प्रमुख अभियंता कार्यालय भोपाल में प्रस्तुत की जा चुकी है। योजना के मूर्त रूप लेने पर सैकड़ों ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है।

योजनाओं की प्रगति पर कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों से मांगा जवाब

फार्मर रजिस्ट्री, आयुष्मान और न्यायलयीन प्रकरणों की स्थिति पर की चर्चा

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों (टीएल) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं, लंबित प्रकरणों तथा शासन के प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान, नारी शक्ति बंधन कार्यक्रम तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था, मुख्य सचिव स्तर पर प्रस्तावित समीक्षा बैठक की तैयारियों तथा कृषि विभाग अंतर्गत कृषि वर्ष 2026 से जुड़े कार्यों पर भी चर्चा हुई।

बैठक में पीएमडीडीकेवाई, फार्मर रजिस्ट्री, छिर धारा ग्राम योजना, डीएमएफ और डीएटीसीसी की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों, न्यायालयीन प्रकरणों तथा अवमानना से संबंधित मामलों की प्रगति रिपोर्ट ली और लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

इसके अलावा टीएल पत्रों पर की गई कार्यवाही तथा पिछली टीएल बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन की स्थिति का भी आकलन किया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नवीत कुमार धुर्वे, अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडराह, संयुक्त कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम बल्देवगढ़ भारती देवी मिश्रा, एसडीएम जतारा संजय कुमार दुबे, डिप्टी कलेक्टर एसके तोमर, अंजली शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस सतर्क, संवेदनशील क्षेत्रों और सोशल मीडिया पर बढ़ाई निगरानी

टीकमगढ़, देशबन्धु। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में असूचना संकलन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने की, जिसमें जिले की कानून-व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति और पुलिस की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जिले के चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष फोकस रखते हुए अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने, प्रभावी निगरानी रखने और गश्त व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि त्योहारों के दौरान सामाजिक समरसता, साम्प्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त जारी रखें और अवैध व असामाजिक गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। इसके लिए विशेष टीमें गठित कर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही किसी भी सूचना पर तुरंत और विधिसम्मत कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की निगरानी को भी प्राथमिकता दी गई। निर्देश दिए गए कि भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा सौहार्द बिगाड़ने वाली किसी भी पोस्ट, वीडियो या संदेश पर तत्काल संज्ञान लेते हुए वैधानिक कार्रवाई की जाए। साइबर सेल और विशेष शाखा को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

कप्तान के निर्देश पर कोतवाली की कार्रवाई, सट्टेबाजों में मचा हड़कंप

नंदेश्वर और इंद्रानगर में दबिश, लाखों के ऑनलाइन सट्टे का किया भंडाफोड़

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के सख्त निर्देशन में जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस ने आईपीएल ऑनलाइन सट्टा खेलने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा और उनके कब्जे से कुल 1 लाख 6 हजार 200 रुपये के सट्टे से संबंधित मशरूका जब्त किया है।

पुलिस को 12 अप्रैल को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर कुछ लोग मोबाइल फोन के माध्यम से आईपीएल ऑनलाइन सट्टा खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल दबिश देकर कार्रवाई की। जांच के दौरान नंदेश्वर कॉलोनी निवासी ऋषि जैन (38 वर्ष) मोबाइल पर ऑनलाइन सट्टा खेलते पाए गए। मोबाइल की जांच में 84 हजार 200 रुपये का सट्टा संचालित होना सामने आया।

इसी प्रकार इंद्रानगर मार्केट क्षेत्र में पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे अनूप वाल्मीकि (32 वर्ष) को घेराबंदी कर पकड़ा गया। उसके मोबाइल की जांच में 22 हजार रुपये का ऑनलाइन सट्टा खेलना पाया गया। दोनों आरोपियों के कब्जे से वीवो कंपनी के मोबाइल जब्त किए गए।

कोतवाली पुलिस ने दोनों के विरुद्ध पृथक अपराध के तहत धारा 4(क) सट्टा एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रवि भूषण पाठक सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा कर, कहा-

लंबित आउटसोर्स पदों पर भर्ती की कार्रवाई प्राथमिकता के साथ की जाए

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रदेश के समस्त जिलों में स्वास्थ्य संस्थाओं में लंबित आउटसोर्स पदों पर भर्ती की कार्यवाही प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण की जाए। उन्होंने आयुष्मान योजना अंतर्गत संबद्ध अस्पतालों में एनएबीएच मान्यता की अनिवार्यता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो सके। बैठक में 6 माह के सोनोग्राफी कोर्स पूर्ण करने वाले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को शीघ्र प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने की प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मेडिकल कॉलेज ग्वालियर में सीटीवीएस एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाने पर बल दिया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा निर्धारित समय-सीमा में परिणाम दें। उन्होंने यह भी कहा कि सुपरस्पेशलिटी सेवाओं में निरंतर भर्ती प्रक्रिया जारी रखी जाए, जिससे प्रदेश के नागरिकों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध हो सकें। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बुधनी, दमोह एवं छतरपुर मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत नर्सिंग कॉलेजों में नर्सिंग शिक्षकों के 59 राजपत्रित पदों पर भर्ती के लिये मांग पत्र लोक सेवा आयोग को तत्काल प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीसीएचबी में नवीन पदों के सृजन के लिए प्रस्ताव तैयार करने और जिला चिकित्सालय राजगढ़ में रैन बसेरे के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कि इन सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रगति की समीक्षा समय-समय पर की जाए। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री अशोक बर्णवाल, आयुक्त श्री धनराजू एस सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टीकमगढ़ का होमगार्ड कल्याण पेट्रोल पंप बना सवालों के घेरे में

आज वीरान पड़ा परिसर विभागीय चुप्पी से उठे गंभीर प्रश्न

टीकमगढ़, देशबन्धु। होमगार्ड जवानों और उनके परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू किया गया होमगार्ड कल्याण पेट्रोल पंप आज सवालों के घेरे में खड़ा है। मऊ रोड स्थित यह पंप, जिसे जवानों के परिवारों की मदद और जनकल्याण योजनाओं को मजबूत करने के लिए स्थापित किया गया था, अब लंबे समय से बंद पड़ा है। जहां कभी वाहनों की कतारें लगती थीं, वहीं आज वहां सन्नाटा पसरा हुआ है।

कल्याण की सोच से शुरू हुई थी योजना : उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार, यह पेट्रोल पंप वर्ष 2013 में होमगार्ड विभाग द्वारा शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य केवल पेट्रोल-डीजल की बिक्री तक सीमित नहीं था, बल्कि इससे होने वाली आय को जवानों और उनके परिवारों के कल्याण कार्यों में उपयोग किया जाना था।

योजना के तहत सिलाई केंद्र, स्वरोजगार योजनाएं और आर्थिक सहायता जैसी पहलें प्रस्तावित थीं, ताकि होमगार्ड जवानों के परिवार आत्मनिर्भर बन सकें।

कुछ ही समय में क्यों ठप हुई व्यवस्था?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी महत्वपूर्ण और जनहितकारी योजना कुछ ही समय में क्यों बंद हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बजट की कमी, संचालन में लापरवाही और विभागीय प्रबंधन की कमजोरी के कारण यह पंप धीरे-धीरे ठप पड़ गया।

अब स्थिति यह है कि पंप परिसर वीरान पड़ा है, मशीनें बंद हैं और विभाग की ओर से कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है।

जब दूसरे पंप चल रहे, तो यह क्यों बंद?

जिले में अन्य संस्थागत पेट्रोल पंप सुचारु रूप से संचालित हो रहे हैं। ऐसे में लोगों के बीच यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि आखिर होमगार्ड विभाग का ही पंप क्यों बंद पड़ा है।

क्या यह केवल बजट संकट है? या इसके पीछे विभागीय टकराव और प्रशासनिक लापरवाही भी जिम्मेदार है?

जनता का भरोसा टूटा

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह पंप भरोसे और सही माप-तौल की पहचान माना जाता था। इसके बंद होने से आम जनता के साथ-साथ जवानों के परिवारों की उम्मीदों को भी झटका लगा है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह केवल पेट्रोल पंप नहीं, बल्कि जवानों के परिवारों के सहारे का केंद्र था। इसका बंद होना गंभीर मामला है।

जांच और जवाबदेही की मांग तेज : अब स्थानीय स्तर पर इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो रही है। लोगों का कहना है कि बैंक ऋण, विभागीय निवेश और जनकल्याण के नाम पर शुरू की गई इस योजना की विफलता के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

स्थान: मऊ रोड, टीकमगढ़
स्थापना वर्ष: 2013
उद्देश्य: होमगार्ड जवानों व परिवारों का कल्याण
स्थिति: लंबे समय से बंद
मुख्य सवाल: योजना बंद क्यों हुई? जिम्मेदार कौन?

सार समाचार

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम अंतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन

दमोह देशबन्धु। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दमोह में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन प्राचार्य डॉ. आलोक जैन के निर्देशन में किया गया। विषय का निरूपण करते हुये कार्यक्रम प्राभारी डॉ. इन्दिरा जैन दिवाकर ने कहा कि, भारतीय समाज सदा ही मातृत्व संस्कृति का पोषक व त्रृणि रहा हैं। भारतीय संस्कृति में नारी ने सदा ही परिवार समाज राष्ट्रीय धुरी के रूप में इस संस्कृति को परिष्कृत व पल्लवित किया है। आज के अधुनिक परिप्रेक्ष्य में नारी के गौरव को बनाये रखने का दायित्व हम सभी का है। राजनैतिक क्षेत्र में नारी के प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये नारी वंदन अधिनियम लाया गया है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आज छात्रो के अपनी योग्यता व इच्छा के अनुरूप विषय का चयन कर आगे आना चाहिए। कार्य का कोई भी क्षेत्र बड़ा या छोटा नही हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष डॉ. मंजू धर्मेन्द्र कटारे ने छात्रो को संबोधित करते हुये कहा कि, आपके साथ माता पिता की तपस्या है। इसलिए आप दृढ़ता व इमानदारी से ज्ञान अर्जन करके आगे बढ़े। इससे कोई फर्क नही पड़ता आप किस क्षेत्र से आते है। आज छोटे छोटे देश भी इसलिए शक्तिशाली हैं, क्योकि महिला वहा स्वतंत्र है। विशिष्ट अतिथि सरोज सिंह ने छात्रो से अपना लक्ष्य निर्धारित कर भरोसे के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया। जिससे वह प्रत्येक क्षेत्र में सफल हो सकती है। साथ ही समाज में महिला अपराध रोकने में आवश्यक हैं, कि माता पिता अपने बेटे को इस प्रकार शिक्षित करे कि वह प्रत्येक महिला का सम्मान करे। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. मोनिका पालीवाल ने कहा कि, सर्वप्रथम परिवार में ही लड़की को प्रत्येक क्षेत्र में सौ प्रतिशत आरक्षण प्राप्त होना चाहिए। यदि माता पिता उसे आरक्षित करते हैं तो फिर किसी आरक्षण की आवश्यकता नही होगी। दूसरा लडकियो को स्वास्थ्य के विषय में भी जागरूक होने की आवश्यकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस के. अग्रवाल, डॉ. कमल चौरसिया, डॉ. मीरा माधुरी महंत, डॉ. एन. पदमा कुमार एवं छात्रायो ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में सहा. प्राध्यापक डॉ. नाजनीन बेगम ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति विशेष रहीं।

नारी सशक्तिकरण अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

दमोह देशबन्धु। जबेरा शासकीय महाविद्यालय में नारी सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुपम मिश्रा उपस्थित रहीं। साथ ही महिला स्व-सहायता समूह से सविता रैकवार एवं कृष्णा रैकवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कमल चौरसिया के निर्देशन में उपस्थित महिलाओं का सम्मान किया गया तथा अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। इसके उपरांत सभी को पुस्तक वितरण किया गया।

केन-बेतवा लिंक परियोजना : डेढ़ दर्जन गांवों के विस्थापितों का सत्याग्रह

ग्रामीणों ने लहरों पर सजाई चिताएं, बोले- हमें न्याय दो या फिर दे दो मौत

- भूख हड़ताल से तेज हुआ आंदोलन, हजारों घरों में नहीं जला चूल्हा, प्रशासन ने लगाई प्रतिबंधात्मक धारा

पन्ना, देशबन्धु। बुंदेलखंड अंचल की जीवनदायनी केन नदी इन दिनों एक ऐसे ऐतिहासिक सत्याग्रह की साक्षी बन गई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। केन-बेतवा लिंक परियोजना से विस्थापित हो रहे पन्ना और छतरपुर जिले के 18 गांवों के हजारों आदिवासी और ग्रामीण नदी की लहरों के बीच लकड़ियों से बनी प्रतीकात्मक चिताओं पर लेटकर जलसमाधि लेने के संकल्प के साथ आंदोलन कर रहे हैं। उनकी आवाज साफ है- 'हमें न्याय दो या फिर मौत दो।' आंदोलन के आठवें दिन रविववार को यह संघर्ष अपने चरम पर पहुंच गया, जब हजारों परिवारों ने सामूहिक भूख हड़ताल करते हुए अपने घरों में चूल्हा तक नहीं जलाया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने अन्न त्यागकर यह संदेश देने की कोशिश की कि वे सिर्फ मुआवजा नहीं, बल्कि सम्मानजनक पुनर्वास के तहत गांव के बदले गांव चाहते हैं।

निर्माणाधीन ढोड़न बांध स्थल पर चल रहे विस्थापितों के आंदोलन के तेज होने के साथ ही इसे दबाने के लिए सरकारी मशीनरी सक्रिय हो चुकी है। छतरपुर जिला मजिस्ट्रेट की

ओर से क्षेत्र में धारा 163 लागू कर सख्ती बढ़ा दी गई है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर के विरुद्ध पन्ना टाइगर रिजर्व द्वारा वन अपराध दर्ज कर लिया गया है। आंदोलन स्थल पर भीड़ को पहुंचने से रोकने के लिए पन्ना टाइगर रिजर्व के भुसौर गेट की नाकेबंदी कर बाहर से आने वालों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। आंदोलन स्थल तक राशन-पानी व चिकित्सा सुविधा पहुंचने में बाधाओं के आरोपों के बीच यह संघर्ष अब मानवीय संकट का रूप लेता जा रहा है।

दर्द और विरोध का चरम

केन नदी का यह दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को भीतर तक विचलित कर देता है। नदी के बीचों-बीच सजी चिताओं पर लेटे ग्रामीण मानो अपने ही अस्तित्व के अंत की प्रतीक्षा कर रहे हों। महिलाएं अपने दुधमुंहे बच्चों को सीने से लगाए, झुलसा देने वाली धूप-गर्मी और भूख-प्यास के बीच डटी हैं। चारों ओर गूंजते नारे- 'न्याय दो या मौत दो' इस आंदोलन को सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पुकार बना देते हैं। यह दृश्य साफ कर देता है कि यह लड़ाई अब जमीन से आगे बढ़कर अस्मिता और अस्तित्व की हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के तहत पन्ना टाइगर रिजर्व के अंदर केन नदी पर ढोड़न बांध का निर्माण किया जा रहा है। छतरपुर जिले की बिजावर तहसील के अंतर्गत आने वाले इस विशाल बांध में छतरपुर के 8 गांव डूब में आ रहे हैं। वहीं परियोजना के तहत डूब से प्रभावित वन भूमि के बदले पन्ना जिले के 10 ग्रामों में भू-अर्जन कर ग्रामीणों को विस्थापित किया जा रहा है।

हक नहीं, सिर्फ कोरे आश्वासन मिले

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर प्रशासन पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि पन्ना और छतरपुर जिले में भूमि अधिग्रहण की कानूनी प्रक्रियाओं का सही तरीके से पालन नहीं किया गया और ग्राम सभाओं के दस्तावेजों में भी पारदर्शिता नहीं है। केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना अंतर्गत बांध निर्माण के लिए और प्रभावित वन भूमि के बदले भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 सही तरीके से लागू नहीं किया गया।

दोनों जिलों में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले प्रभावित परिवारों के सदस्यों को साढ़े 12 लाख रूपए का पुनर्वास पैकेज प्रदान करने के लिए अलग-अलग समय-सीमा निर्धारित की गई। इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था के चलते विस्थापित हो रहे सैंकड़ों पात्र व्यक्ति व्यक्ति पुनर्वास पैकेज से वंचित हो जाएंगे। अमित का आरोप है प्रशासन विस्थापितों की समस्याओं और मांगों का निराकरण करने के बजाए कोरे आश्वासन दे रहा है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि उन्हें उचित पुनर्वास के बजाय सिर्फ अधूरा मुआवजा देकर हटाने की कोशिश की जा रही है। वे स्पष्ट रूप से गांव के बदले गांव की मांग पर अड़े हुए हैं, ताकि उनकी सामाजिक संरचना और जीवनशैली सुरक्षित रह सके। भूख हड़ताल को वे अपनी मजबूरी बताते हैं। उनका कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, यह संघर्ष और तेज होता जाएगा।

विकास बनाम अस्तित्व की जंग

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर उस बहस को जिंदा कर दिया है, जिसमें विकास और विस्थापन आमने-सामने खड़े नजर आते हैं। सरकार जहां केन-बेतवा लिंक परियोजना को बुंदेलखंड के जल संकट के समाधान के रूप में पेश कर रही है, वहीं स्थानीय आदिवासी-किसान इसे अपने जल, जंगल और जमीन पर हमला मान रहे हैं। छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल का दावा है कि अधिकांश प्रभावितों को मुआवजा दिया जा चुका है और कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। इसी के तहत धारा 163 लागू कर दी गई है और किसी भी तरह की भीड़ या विरोध पर रोक लगाई गई है। लेकिन दूसरी ओर, आंदोलनकारी इसे दमनात्मक कार्रवाई मानते हुए आरोप लगा रहे हैं कि उनकी आवाज को दबाने के लिए सख्ती की जा रही है। केन नदी की लहरों पर लेटी ये प्रतीकात्मक 'चिताएं' आज सिर्फ एक आंदोलन का हिस्सा नहीं, बल्कि उस पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं, जिसे हजारों लोग अपने भीतर लिए बैठे हैं। एक ओर विकास की बड़ी तस्वीर है, तो दूसरी ओर उजड़ते घरों की हकीकत। ऐसे में सवाल यही उठता है- 'क्या इन लोगों को उनका हक और सम्मानजनक पुनर्वास मिलेगा, या केन की धार में उनकी यह पुकार यूं ही गूंजती रह जाएगी'?

बातचीत बेनतीजा, जारी रहेगा आंदोलन

जय किसान संगठन के बैनर तले चल रहे केन-बेतवा लिंक परियोजना प्रभावितों के आंदोलन ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। सप्ताह भर से जारी 'चिता आंदोलन' के बीच आज हजारों परिवारों के घरों में चूल्हा न जलने की खबर के बाद दोपहर में पन्ना से एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, अजयगढ़ एसडीएम आलोक मार्को और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ आंदोलन स्थल ढोड़न बांध पहुंचकर आंदोलनकारियों से चर्चा की। पन्ना एसडीएम ने चिताओं पर लेटी महिलाओं से आंदोलन खत्म करने और भूख हड़ताल तोड़ने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन-प्रशासन उनकी समस्याओं को सुनने और निराकरण करने लिए तैयार है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर ने अधिकारियों के सामने ग्रामीणों का पक्ष रखते हुए सीधा सवाल किया कि धारा 11, 15, 18 और 19 के तहत विस्थापन की जो वैधानिक प्रक्रिया होनी चाहिए थी, उसे दरकिनार क्यों किया गया? उन्होंने मांग की कि अगर कोई ग्राम सभा हुई है, तो उसके दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं।

नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण

दमोह देशबन्धु। जबेरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तेंदूखेड़ा के ग्राम सांगा में 65 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण एवं दोनी में 25 लाख रुपये की लागत से निर्माण होने वाले सामुदायिक भवन का प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने भूमिपूजन किया।

राज्यमंत्री लोधी ने कहा यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है। अब तक इस क्षेत्र के ग्रामीणों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए दूर स्थित तेंदूखेड़ा या दमोह जाना पड़ता था। इससे न केवल समय की हानि होती थी, बल्कि आर्थिक रूप से भी लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। उन्होंने कहा कई बार समय पर उपचार न मिलने के कारण मरीजों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था। इस नवीन उप-स्वास्थ्य केन्द्र के शुरू होने से अब ग्राम सांगा और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध होंगी। सामुदायिक भवन से ग्रामवासियों को सामाजिक कार्यों के लिए सुविधा प्राप्त होगी।

कार्यक्रम में मूरत सिंह, संतकुमार पाल, परम सिंह, नितिन जैन, विनीता कुलस्ते, अनीता सिंह, भागचंद जैन, लक्ष्मी नामदेव, सोमनाथ सोनी, राजीव जैन, दीपक नायक, सरपंच नीतू साहू, राजकुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही।

पूर्व विधायक ने पत्रकार वार्ता को किया संबोधित

नारी शक्ति वंदन अधिनियम : महिलाओं को मिला राजनीतिक सशक्तिकरण का नया अधिकार

दमोह देशबन्धु। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसे पूर्व विधायक पारूल साहू ने संबोधित किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सुमन उपाध्याय, जिला मंत्री श्यामा उरैती, सुधा सेन, विनीता परस्ते, जिला सह कोषाध्यक्ष कुसुम खरे, मीडिया प्रभारी प्रिंस जैन, सह मीडिया प्रभारी सिमरन जैन, अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनीता सिंह एवं गिरजा साहू मंचासीन रहीं। पारूल साहू ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि वर्षों से लंबित उस संकल्प की पूर्ति है, जो महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा देगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को भारतीय लोकतंत्र का ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि देश की आधी आबादी को अब उनका वास्तविक अधिकार मिला है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में संभव हुआ है। अब महिलाएं केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति और

नेतृत्व की केंद्रबिंदु बनेंगी। 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ देश की राजनीति में एक नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और नीति-निर्धारण में उनकी अहम भूमिका सुनिश्चित होगी। यह अधिनियम वर्ष 2029 तक पूर्ण रूप से लागू हो जाएगा, जिसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं संसद और विधानसभाओं में पहुंचेंगी। पूर्ववर्ती सरकारों ने महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में उपयोग किया, लेकिन ठोस निर्णय लेने का साहस नहीं दिखाया। प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ इस विधेयक को पारित कराकर महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण दिया है। जब मातृशक्ति सशक्त होती है, तब राष्ट्र भी सशक्त होता है। आज की महिलाएं आत्मनिर्भर हैं और राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

अंत में, पारूल साहू ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए सभी महिलाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील की। नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत आज मातृशक्ति द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन को लाइव प्रसारण के माध्यम से सामूहिक रूप से सुना गया। इस दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री के विचारों से प्रेरणा लेते हुए संगठन को मजबूत बनाने और समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

15 से वन विभाग को कब्जा सौंपने की शुरू होगी कार्रवाई

पन्ना, देशबन्धु। केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के लिए ग्राम कटहरी बिलहटा, कोनी, मझौली एवं डोड़ी में अर्जन की कार्यवाही उपरांत मुआवजा राशि भुगतान कार्य पूर्ण हो चुका है। अब बुधवार, 15 अप्रैल को सुबह 9 बजे से इन ग्रामों की भूमि, परिसम्पत्तियों, मकान एवं भवन इत्यादि को हटाया जाकर वन विभाग (पन्ना टाइगर रिजर्व) को कब्जा सौंपने की कार्यवाही आरंभ की जाएगी।

इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पन्ना कार्यालय द्वारा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से जनसामान्य को सूचित किया गया है। एसडीएम संजय कुमार नागवंशी ने उक्त ग्रामों में संबंधितजनों को अधिग्रहण पश्चात संपत्ति रिक्त कर अपना कब्जा हटाने के संबंध में सूचित किया है अन्यथा किसी भी प्रकार की हानि के लिए संबंधित स्वयं जिम्मेवार होंगे तथा शासकीय तौर से मौका स्थल से इन्हें हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

हल्का पटवारी कटहरी बिलहटा को ग्राम कोटवार के माध्यम से मुनादी कराने तथा प्रत्येक ग्राम में आम चौराहा एवं स्थान पर सूचना की प्रति चस्पा कर तामीली भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

संविधान हर नागरिक को समानता का अधिकार देता है : लोधी

दमोह देशबन्धु। भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर जनपद पंचायत सभागार मे कार्यक्रम का आयोजन गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों और जनप्रतनिधियों ने बाबा साहेब के आदर्शों को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहेब अमर रहें के नारों के साथ उन्हें अपनी भावांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाव सिंह लोधी ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे विशाल और सर्वश्रेष्ठ लिखित संविधान है, जो हर नागरिक को समानता का अधिकार देता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें केवल महापुरुषों की जयंती मनाकर इतिश्री नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके संघर्षों से प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. अंबेडकर का संपूर्ण जीवन छुआछूत और भेदभाव जैसी सामाजिक कुरीतियों को मिटाकर समानता का समाज स्थापित करने के लिए समर्पित रहा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों और नागरिकों को नशा मुक्त भारत बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने जोर दिया कि शिक्षित और व्यसन मुक्त समाज ही बाबा साहेब के सपनों के भारत का निर्माण कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान रूपेश सेन, रानू नामदेव, सत्यपाल सिंह, पंचायत इंस्पेक्टर निरपत सिंह, किशोरी लाल सेन, पुष्पेन्द्र पटेल,धर्मेंद्र रजक, विकास मिश्रा,पदम सिंह, मंथन प्रजापति, संतोष तिवारी, राजेंद्र जैन, अमित तिवारी सहित जनपद पंचायत का समस्त स्टाफऔर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन मौजूद रहे।

किशोरियों ने एच.पी.वी. टीकाकरण कराया

दमोह देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. अठया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने के उद्देश्य से एच.पी.व्ही टीकाकरण अभियान निरंतर जारी है। लक्षित 14436 किशोरियों के विरूद्ध अभी तक 7359 किशोरियों को टीकाकृत किया जा चुका है। तेन्दूखेड़ा विकासखंड में सर्वाधिक 1023 अर्थात 63 प्रतिशत किशोरी बालिकाओं को टीकाकृत किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सहयोगी विभागों के साथ मिलकर स्कूलों में एच.पी.व्ही. टीकाकरण केन्द्रित विशेष परामर्श एवं जागरूकता सत्र आयोजित कर छात्राओं और उनके अभिभावकों को एच.पी.व्ही. टीकाकरण के महत्व एवं लाभों के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कर्मचारी भी घर-घर जाकर परिवार के मुखिया से भेंटकर किशोरियों को एच.पी.व्ही. टीकाकरण के महत्व और उसके लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

उनकी शंकाओं का समाधान भी किया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने हिण्डोरिया के अभाना में संचालित स्कूल में आयोजित एच.पी.व्ही. टीकाकरण जागरूकता सत्र में सहभागिता की गई। उन्होंने बताया कि एचपीव्ही टीकाकरण से गर्भाश्य ग्रीवा कैंसर संक्रमण होने से पहले प्रतिरोधक सुरक्षा मिल जाती है। किशोरावस्था में दिये गये टीके का प्रभाव लंबे समय तक रहता है। इस उम्र में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। किशोरी बालिकाओं में एच.पी.व्ही. वैक्सीन की एक डोज प्रभावी मानी गई है। इस दौरान प्राचार्य आलोक सोनवलकर, सीबीएमओ डॉ. अमित मिश्रा, सुपरवाईजर बी.एम.दुबे एवं शिक्षकगण विशेष रूप से मौजूद रहे।

हटा विकासखंड में 980 किशोरियां टीकाकृत की गई है। मैदानी कर्मचारी गृह भेंट कर एच.पी.व्ही. टीकाकरण हेतु प्रेरित करने का कार्य किया जा रहा है। सकौर आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ शिवानी चौरसिया क्षेत्र अंतर्गत ग्रामों में पहुचकर ग्रामीणजनों से गृह भेंट कर एच.पी.व्ही. टीकाकरण के संबंध में परामर्श दिया जा रहा है। तालागॉव, निवाईमाफी, निमरमुण्डा ग्राम में भ्रमण कर अभिभावकों की सहमति उपरांत संस्था में 25 किशोरियों का टीकाकरण भी कराया गया।

11 करोड़ की लागत से नवीन संयुक्त तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण संपन्न

एक छत के नीचे एसडीएम व तहसीलदार सेवाएं प्रदान करेंगे : पटेल

- राजस्व के लंबित मामलों में कमी लाना प्राथमिकता : लोधी

दमोह/पथरिया देशबन्धु। अनुविभागीय मुख्यालय की शुरुआत 2013 में होने के करीब 13 वर्ष बाद यह 11 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित राजस्व भवन किसानों और ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होगा। एसडीएम, तहसीलदार व पंजीयक कार्यालय एक ही छत के नीचे सेवाएं मिलने से आमजन को सुविधाएं मिल सकेंगी। उक्त बात क्षेत्रीय विधायक व पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने नवनिर्मित आधुनिक तहसील भवन के लोकार्पण के दौरान व्यक्त किये। निर्माण की गुणवत्ता की सराहना करते हुए सभी संबंधितों को बधाई दी और इसे किसानों की सुविधा के लिए समर्पित किया।

सांसद राहुल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल के सहयोग से दमोह जिले को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य है। राज्यमंत्री पटेल ने पथरिया में केंद्रीय विद्यालय खुलने की अच्छी खबर साझा की। उन्होंने कहा कि सांसद राहुल सिंह के साथ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से चर्चा हो चुकी है, जिन्होंने जल्द प्रारंभ का आश्वासन दिया है। 16 से 18 अप्रैल के विशेष सत्र में सांसद दोबारा चर्चा करेंगे, वही 22-23 अप्रैल को वे स्वयं केंद्रीय मंत्री से मिलकर स्वीकृति सुनिश्चित करेंगे। उन्होने प्रतिबद्धता जताई कि स्वीकृति मिलते ही तीन महीने में भवन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए 40-50 लाख रुपये की व्यवस्था विभाग स्वयं करेगा, ताकि क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुड गवर्नेंस नीति और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है उन्होने कहा नए तहसील भवन में एसडीएम, तहसीलदार और रजिस्ट्री कार्यालय सहित सभी प्रमुख राजस्व सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे आम नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राजस्व मामलों में पेंडेंसी को कम करना प्राथमिकता है। सभी लंबित मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे लोगों को समय पर न्याय मिल सके।

उन्होंने बताया कि किसानों और आम नागरिकों की अधिकांश समस्याएँ तहसील स्तर से जुड़ी होती हैं जमीन विवाद और अन्य राजस्व मामलों का समाधान अधिक सरल और सुलभ होगा। उन्होने कहा कि पथरिया विकास की नई रफ्तार पकड़ चुका है और इसे और मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह भवन क्षेत्र प्रशासनिक दक्षता और विकास को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल ने कहा कि बदलते समय के साथ हमें भी अपने कार्य और व्यवस्था को आधुनिक बनाना होगा उन्होंने प्रधानमंत्री के 'डिजिटल इंडिया' विज़न का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को विश्व के अग्रिम पटल पर लाने के लिए हाई-टेक संसाधनों पर ध्यान देना जरूरी है,पथरिया में राजस्व अधिकारियों के लिए अत्याधुनिक भवन को एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्होंने इसे क्षेत्र के विकास का नया आयाम बताया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सुंदरलाल विश्वकर्मा,मंडल अध्यक्ष रमेश कुशवाहा, पं.राजेन्द्र गुरु, पूर्व मंडी अध्यक्ष खरगराम पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष ललित पटेल,देवी सिंह नंदरई,जमना जैन,कपिल दुबे, एसडीएम निकेत चौरसिया, तहसीलदार श्रीमति दीपमाला, नायब तहसीलदार ह्रदेश पाण्डे सहित पटवारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न

डॉ. भीमराव अम्बेडकर को कोटि-कोटि नमन

न्याय, समानता और समरसता के मूल्यों से सशक्त होता मध्यप्रदेश

136वीं जयंती समारोह

14 अप्रैल, 2026

डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)

जिला इंदौर

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

"भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास

आस्था से जुड़ाव

बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित **5 ऐतिहासिक स्थल** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल

वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू

स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं **अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर** का विकास

सम्मान का प्रतीक नामकरण

महू रेलवे स्टेशन का नाम **'डॉ. अम्बेडकर नगर'**

युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान

डेयरी इकाई के लिए **कामधेनु योजना** में ₹42 लाख तक ऋण

आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक अनुदान

संत रविदास स्व-रोज़गार योजना में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता

उद्योग उदय योजना के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग

शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान

डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना

10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार

उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु **अम्बेडकर फैलोशिप**

पर्यावरण और विरासत का संगम

सागर में 25वां **डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य** घोषित

D-11005/26

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP